Education Department, UT Chandigarh

समीक्षात्मक एवं सृजनात्मक चिंतन

हिन्दी अभियास पुस्तिका
कक्षा:9वीं

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
SECTOR-32 UT CHANDIGARH

Websites/links to download CCT Resource Material

CCT Tracker:

- URL: https://pisa.diksha.gov.in
- User Id: utcschools
- Password: Utcschools@01

SE Shagun Portal:

- http://pisa.seshagun.gov.in/codes.html
- http://pisa.seshagun.gov.in/?AspxAutoDetectCookieSupport=1
- http://pisa.seshagun.gov.in/cct/

DIKSHA:

- http://diksha.gov.in
- QR code and link for CCT Weekly- R5Z7P5
- https://diksha.gov.in/get/dial/R5Z7P5

OECD – PISA:

- https://www.oecd.org/pisa/
- https://www.oecd.org/pisa/publications/

<u>दिशा निर्देश</u> :

शिक्षक रणनीति (कैसे सिखाना है):

- कहानियों के विभिन्न हिस्सों के लिए विभिन्न रणनीतियों का प्रयोग करेंगे।
- मौन वाचन
- विद्यार्थियों को समूह में बांटकर सस्वर वाचन
- एक विद्यार्थी द्वारा संपूर्ण कक्षा के समकक्ष वाचन
- समूह चर्चा
- अध्यापक: एक स्रोत

दक्षताएँ :

- वार्तालाप
- रचनात्मक सोच
- सूचनाओं की पुन:प्राप्ति
- समस्या समाधान
- कल्पनात्मकता का विकास

विभिन्न आयाम:

- कला एवं साहित्य
- गणित
- समाज व पर्यावरण
- विज्ञान

विषय हिंदी

कक्षा - नौवीं

सीखने की संप्राप्ति (Learning Outcomes)

901. सामाजिक मुद्दों (जेंडरभेद, जातिभेद, विभिन्न प्रकार के भेद) पर कार्यक्रम सुनकर/देखकर अपनी राय व्यक्त करते हैं। जैसे--जब सब पढ़ें तो पड़ोस की मुसकान क्यों न पढ़े? या मुसकान अब पार्क में क्यों नहीं आती?

902. अपने आस-पड़ोस के लोगों, स्कूली सहायकों या स्कूली साथियों की आवश्यकताओं को कह और लिख पाते हैं।

903. पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त नई रचनाओं के बारे में जानने/समझने को उत्सुक हैं और उन्हें पढ़ते हैं।

904. अपनी पसंद की अथवा किसी सुनी हुई रचना को पुस्तकालय या अन्य स्थान से ढूँढ़कर पढ़ने की कोशिश करते हैं।

905. समाचारपत्र, रेडियो और टेलीविज़न पर प्रसारित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों, खेल, फ़िल्म, साहित्य-संबंधी समीक्षाओं, रिपोर्टों को देखते, सुनते और पढ़ते हैं।

906. देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओं पर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं।

907. दूसरों द्वारा कही जा रही बातों को धैर्य से सुनकर उन्हें समझते हुए अपनी स्पष्ट राय व्यक्त करते हैं।

908. अपने अनुभवों, भावों और दूसरों की राय, विचारों को लिखने की कोशिश करते हैं। जैसे--- आँख बंद करके यह दुनिया, व्हीलचेयर से खेल मैदान आदि।

909. किसी सुनी, बोली गई कहानी, कविता अथवा अन्य रचनाओं को रोचक ढंग से आगे बढ़ाते हुए लिखते हैं।

910. सामाजिक मुद्दों पर ध्यान देते हुए पत्र, नोट लेखन इत्यादि कर पाते हैं।

911. पाठ्यपुस्तकों में शामिल रचनाओं के अतिरिक्त, जैसे-- कविता, कहानी, एकांकी, गद्य-पद्य की अन्य विधाओं को पढ़ते-लिखते हैं और कविता की ध्वनि और लय पर ध्यान देते हैं।

912. संगीत, फ़िल्म, विज्ञापनों खेल आदि की भाषा पर ध्यान देते हैं। जैसे--- उपर्युक्त विषयों की समीक्षा करते हुए उनमें प्रयुक्त रजिस्टरों का उपयोग करते हैं।

913. भाषा-साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं, जैसे--- विशिष्ट शब्द-भंडार, वाक्य-संरचना, शैली-संरचना, मौलिकता आदि।

914. अपने आस-पास के रोज़ाना बदलते पर्यावरण पर ध्यान देते हैं तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए सचेत होते हैं। जैसे—कल तक यहाँ पेड़ था, अब यहाँ इमारत बनने लगी?

915. अपने साथियों की भाषा, उनके विचार, व्यवहार, खान-पान, पहनावा संबंधी जिज्ञासा को कहकर और लिखकर व्यक्त करते हैं।

916. हस्तकला, वास्तुकला, खेतीबाड़ी के प्रति अपनी रुचि व्यक्त करते हैं तथा इनमें प्रयुक्त होने वाली भाषा को जानने की उत्सुकता रखते हैं।

917. जाति, धर्म, रीति-रिवाज़, जेंडर आदि मुद्दों पर प्रश्न करते हैं।

918. अपने परिवेश की समस्याओं पर प्रश्न तथा साथियों से बातचीत/चर्चा करते हैं।

919. सभी विद्यार्थी अपनी भाषाओं की संरचना से हिंदी की समानता और अंतर को समझते हैं।

प्रतिमान -1

वर्तमान समय में ग्लोबल वार्मिंग अथवा धरती पर बढ़ते तापमान की समस्याओं से दुनियाँ के अधिकांश लोग अवगत हो चुके हैं। ग्लोबल वार्मिंग धरती के लिए उतना ही ख़तरनाक है, जितना परमाणु युद्ध या धरती से क्षुद्रग्रह का टकराना। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि भारत का औसतन तापमान 0.57 डिग्री सेल्सियस प्रति सौ वर्ष की दर से ऊपर उठ रहा है। ध्रुवीय क्षेत्र में तेज़ी से बढ़ते तापमान को इसका मुख्य कारण माना जा रहा है। 'इंडिपेंडेंट'की रिपोर्ट के अनुसार 1 जून 2016 तक आर्कटिक समुद्र में सिर्फ़ 1.11 करोड़ वर्ग किलोमीटर में ही बर्फ़ बची है। जबकि पिछले तीस सालों का औसत क़रीब 1.27 करोड़ किलोमीटर था। आर्कटिक से बर्फ़ ख़त्म होने से वैश्विक तापमान में वृद्धि होगी और जलवायु में अचानक बदलाव आ जाएगा। इस से पूर्व लगभग एक लाख वर्ष पहले आर्कटिक से बर्फ़ ग़ायब हो गई थी।

धरती का तापमान बढ़ने के ज़िम्मेदार हम स्वयं हैं। वायुमंडल में कार्बन डाइ ऑक्साइड, जलवाष्प, नाइट्रस ऑक्साइड की मात्रा इतनी बढ़ चुकी है कि यह धरती पर आने वाली गर्मी को बाहर नहीं जाने देती, जिसे 'ग्रीनहाऊस प्रभाव' कहते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 1988 में एक वैज्ञानिक दल का गठन किया गया था। वर्ष 1987 की सदी में पृथ्वी की औसत तापमान में आधा डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई। 1990 का दशक मौसम के हिसाब से सबसे गर्म दशक बना। पिछले बीस वर्षों में पर्यावरण के आंकड़ों की जाँच पड़ताल में यह निष्कर्ष सामने आया कि पृथ्वी का तापमान बढ़ने से ही 420 भौतिक प्रक्रियाओं पर इसका असर पड़ा है। अनुमान है कि 2100 वीं तक पृथ्वी के औसत तापमान में 1.4 से 5.8 डिग्री सेल्सियस तक ही ख़तरनाक वृद्धि हो सकती है। दुनिया भर की बरफ़ पिघलने से सागरों का जल स्तर लगातार ऊपर उठता जा

रहा है, जिस से दुनिया के कई हिस्से से सदा के लिए सागर में विलीन हो सकते हैं। इनमें मालदीव, बंगला देश, इंडोनेशिया के कुछ द्वीप, मुंबई के समुद्र तटीय भाग, अंडमान-निकोबार द्वीप, नील नदी का डेल्टा, अमेरिका में फ्लोरिडा का तट और लुइसियाना प्रांत के काफ़ी हिस्से शामिल हैं। धरती पर तापमान वृद्धि की मुख्य दोषी कार्बन डाइऑक्साइड को वायुमंडल में सोखने की कई तरकीबें हैं। जंगली पेड़ प्रत्येक वर्ष 13.6 टन कार्बन डाइ ऑक्साइड को श्वास द्वारा सोख लेते हैं। इसलिए मानव प्रजाति का यह कर्तव्य बनता है कि अधिक से अधिक पेड़ लगायें व भविष्य को सुरक्षित करें।

1. पृथ्वी के गर्माने का प्रमुख कारण क्या है?
2. निम्नलिखित शहरों में से कौन से शहर को डूबने का सबसे अधिक ख़तरा है?

   (क) आगरा (ख) लखनऊ (ग) मुंबई (घ) चंडीगढ़

3. आप ग्लोबल वार्मिंग को कम करने में कैसे सहायक सिद्ध हो सकते हैं? कोई एक उपाय लिखो?

4. ग्रीन हाउस प्रभाव क्या है?

5. निम्नलिखित में से कौन सा विभाग हमें तापमान की जानकारी प्रदान करता है?

   क) कृषि विभाग ख) शिक्षा विभाग

   ग) आयकर विभाग घ) मौसम विभाग

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	विवेचन	बहुविकल्पीय	कठिन
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	व्याख्यात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तुलनात्मक	औसत
5	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	सरल

प्रतिमान - 2

नोबेल पुरस्कार वर्ष 1901 में प्रसिद्ध स्वीडिश वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबेल की याद में नोबेल फ़ाउंडेशन द्वारा शुरू किया गया। वर्ष 2016 में इस पुरस्कार की राशि आठ मिलियन स्वीडिश क्रोनर थी। अपने जीवन काल में वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबेल ने 355 आविष्कार किए। जिसमें वर्ष 1867 में उनके द्वारा किया गया 'डाइनामाइट' का आविष्कार मुख्य है। दिसंबर 1896 में अपनी मृत्यु से पूर्व अल्फ्रेड नोबेल ने अपनी संपत्ति की लगभग 94% राशि ऐसे लोगों को दी , जिन्होंने मानव जाति के विकास व कल्याण हेतु उत्तम कार्य किया था। 29 जून 1900 में नोबेल फ़ाउंडेशन की स्थापना की गई। वर्तमान समय तक नोबेल फ़ाउंडेशन द्वारा कुल 911 प्रत्याशियों को 579 नोबल पुरस्कार प्रदान किए गए है। इन नोबेल पुरस्कारों में से 12 पुरस्कार भारत के नागरिकों को प्रदान किए गए हैं।

जिनके नाम निम्नानुसार है :

क्रम संख्या	भारतीय मूल के नागरिक	विभिन्न क्षेत्र	वर्ष
1	रवीन्द्र नाथ टैगोर	साहित्य	1913
2	डा॰ सी वी रमन	भौतिकी	1930
3	मदर टेरेसा	शांति	1979

4	डा॰ डॉक्टर अमर्त्य सेन	अर्थशास्त्र	1998
5	कैलाश सत्यार्थी	शांति	2014
विदशों में बसे भारतीय मूल के नागरिक :			
1	हरगोबिन्द खुराना	चिकित्सा	1968
2	सुब्रमण्यम चंद्रशेखर	भौतिकी	1983
3	वेंकटरमण रामकृष्णन	रसायन	2009
भारत में जन्में विदेशी नागरिक :			
1	रोनाल्डरॉस	चिकित्सा	1902
2	रुडियार्ड किपलिंग	साहित्य	1907
3	दलाई लामा	शांति	1989
4	वी॰ एस॰ नायपॉल	साहित्य	2001

वर्तमान समय तक सबसे अधिक 353 नोबेल पुरस्कार अमेरिका द्वारा प्राप्त किए गए हैं। नोबेल फ़ाउंडेशन द्वारा यह निर्णय लिया गया कि नोबेल पुरस्कार मरणोपरांत प्रदान नहीं किए जाएंगे।

1. चित्र में दर्शाए गए अंक किस भाषा में हैं?

(क) अरबी (ख) रोमन (ग) लातिनी (घ)हिन्दी

2. नोबेल पुरस्कार किस वर्ष में शुरू किया गया?

3. नोबेल पुरस्कार की राशि 72,227,297.37 ₹ है। निम्नलिखित संख्या को शब्दों में लिखो :- 27,297.00

4. यदि आप का जन्म 10 दिसंबर 2008 में हुआ, तो अब आपकी आयु कितने वर्ष , कितने महीने, व कितने दिन है?

5. अलफ्रेड नोबेल का मुख्य अविष्कार कौन सा है?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पिय	सरल
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
3	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	औसत
4	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	औसत
5	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल

प्रतिमान 3

सुहास की माता जी को मेहमानों के लिए मिष्ठान बनाना था इसलिए उन्होंने सुहास को र2000 देकर सूखे मेवे खरीदने के लिए बाजार भेजा। दुकानदार ने सुहास को सभी सूखे मेवों के दाम बताए। दुकानदार ने काजू का मूल्य रु 900, बादाम गिरी रु 600, किशमिश रु 200, अखरोट रु 900 और मूंगफली का मूल्य रु 150 प्रति किलोग्राम बताया। सुहास की अध्यापिका ने कक्षा में छात्रों को सूखे मेवों में पाए जाने वाले सबसे महत्वपूर्ण पोषक तत्वों के बारे में बताया। उन्होंने यह भी बताया कि सबसे आवश्यक तत्व प्रोटीन बादाम में पाया जाता है। प्रोटीन हमारे शरीर की कार्य प्रणाली को दुरुस्त रखता है। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। यह शरीर से गंदगी निकालने में मदद करता है।

सुहास की अध्यापिका ने कक्षा में छात्रों को सूखे मेवों में पाए जाने वाले सबसे महत्वपूर्ण पोषक तत्वों के बारे में बताया। उन्होंने यह भी बताया कि सबसे आवश्यक तत्व प्रोटीन बादाम में पाया जाता है। प्रोटीन हमारे शरीर की कार्य प्रणाली को दुरुस्त रखता है। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। यह शरीर से गंदगी निकालने में मदद करता है।

दिए गए पाई चार्ट में विभिन्न सूखे मेवों में पाई जाने वाली प्रोटीन की मात्रा को प्रतिशत के द्वारा दर्शाया गया है। मेवों में प्रोटीन की मात्रा प्रति 100 ग्राम।

1. कौन से सूखे मेवे में सबसे अधिक प्रोटीन पाया जाता है?

2. सुहास ने 250 ग्राम बादाम और 500 ग्राम अखरोट खरीदे हों तो उसने दुकानदार को कुल कितना मूल्य चुकाया?

3. प्रोटीन के अतिरिक्त हमारे आहार में पाए जाने वाले कुछ अन्य पोषक तत्वों के नाम लिखिए।

4. 1 किलो काजू के मूल्य में कितने किलो मूंगफली आ जाएगी?

(क) 5 किलो (ख) 10 किलो

(ग) 8 किलो (घ) 6 किलो

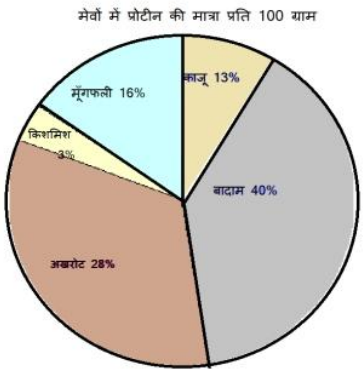

5. हमारे शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता की क्या भूमिका है?

(क) शरीर को स्वस्थ रखना।

(ख) शरीर को रोगों से बचाना।

(ग) शरीर को बाहरी जीवाणुओं या कीटाणुओं से बचाना।

(घ) उपरोक्त सभी।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
2	विश्लेषणात्मक	तथ्यात्मक	औसत
3	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	सरल
4	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	कठिन
5	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत

प्रतिमान 4

कृष्णा सोबती अपने बचपन के बारे में बताते हुए कहती हैं कि उन्होंने अपने बचपन का अधिकतर समय शिमला में बिताया है।शिमला शहर अंग्रेजों ने पिछली शताब्दी में बसाया था। आज शिमला एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। शिमला में माल रोड , रिज, गिरजाघर और जाखू मंदिर जैसे प्रमुख दर्शनीय स्थल हैं।

शिमला का प्राकृतिक सौंदर्य एवं ठंडा मौसम उसकी सुंदरता में चार चांद लगा देते हैं । इसी परिपेक्ष्य में कालका से शिमला चलने वाली टॉय ट्रेन का सफर इसे विश्व धरोहर में स्थापित करता है। यह ट्रेन कालका से शिमला जाते हुए 15 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलती हुई 90 किलोमीटर की दूरी तय करती है। उत्तर भारत के अधिकतर लोग गर्मी की छुट्टियों में घूमने के लिए शिमला जैसे पर्वतीय स्थलों को प्राथमिकता देते हैं।

1. यहाँ शिमला के किन-किन दर्शनीय स्थलों के नाम आए हैं?
2. एक शताब्दी में कितने वर्ष होते हैं?

   क) 50 वर्ष ख) 100 वर्ष

   ग) 500 वर्ष घ) 1000 वर्ष

3. कालका से चलने वाली टॉय ट्रेन शिमला तक की दूरी कितने घंटे में तय करती है?
4. सड़क मार्ग द्वारा जाते हुए चंडीगढ़ से शिमला की दूरी 120 किलोमीटर है। चंडीगढ़ और शिमला के लगभग मध्य में सोलन है , तो बताएं कि चंडीगढ़ से सोलन की दूरी लगभग कितनी होगी?

क) 40 किलोमीटर

ख) 65.8 किलोमीटर

ग) 74 किलोमीटर

घ) 90 किलोमीटर

5. क्या पर्वतीय क्षेत्रों में पर्यटकों की बढ़ती भीड़ स्वच्छता एवं पर्यावरण की शुद्धता के लिए चुनौती है? अपने विचार लिखिए।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	कठिन
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
4	विश्लेषण	बहुविकल्पीय	औसत
5	सृजनात्मक	वर्णनात्मक	कठिन

प्रतिमान 5

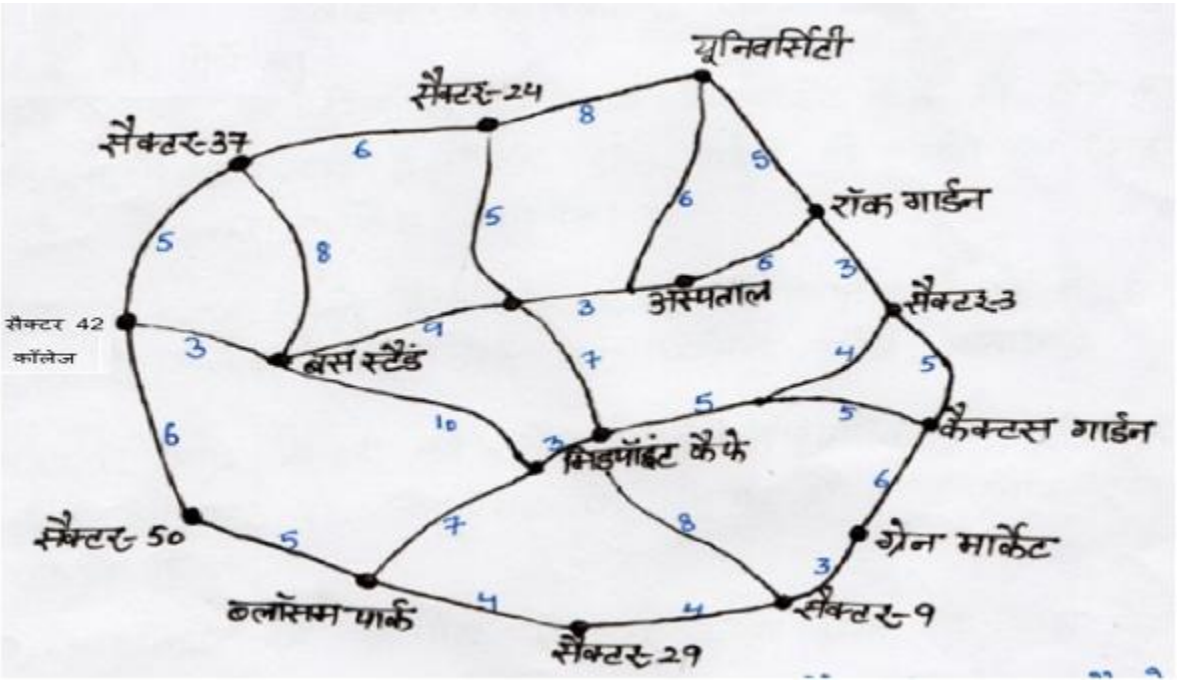

यहां चंडीगढ़ के विभिन्न सेक्टरों का मैप दिया गया है, जो उन्हें एक दूसरे से जोड़ते हैं। यह मैप मिनट द्वारा दूरी को दिखा रहा है।

1. शोभा की माता जी बीमार हैं। वह उन्हें सेक्टर 50 से अस्पताल लेकर जाना चाहती हैं, वह सबसे छोटा रास्ता अपनाती है, बताइए उसे कितना समय लगा होगा?
2. क्या आप जानते हैं, रॉक गार्डन किस सेक्टर में है? उसके आसपास कोई एक पर्यटन स्थल बताएं।
3. चंडीगढ़ शहर को सेक्टरों में विभाजित किया गया है। इस आधार पर चंडीगढ़ के विषय में आप और क्या-क्या जानते हैं?
4. चंडीगढ़ का निर्माण किसने किया तथा वह किस देश से थे?

5. बच्चो, क्या आप जानते हैं कि चंडीगढ़ के विषय में विस्तार से जानना हो, तो चंडीगढ़ के सेक्टर-एक में कैपिटल कॉम्प्लेक्स नामक संग्रहालय है। क्या आप चंडीगढ़ के किसी अन्य संग्रहालय के बारे में जानते हैं? उसके विषय में लिखें।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	विश्लेषण	तार्किक	कठिन
2	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	औसत
3	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
4	विवेचन	रचनात्मक	औसत
5	व्यापक समझ	वर्णनात्मक	औसत

प्रतिमान 6

भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी महात्मा गांधी जी का जन्म 2 अक्टूबर 1869 ई०को पोरबंदर (गुजरात) में हुआ। वे अपनी बैरिस्ट्री की शिक्षा प्राप्त करने के लिए 1888 ई० में लंदन गए। जिस जमाने में वे बैरिस्ट्री से हजारों रुपए कमाते थे, उस समय भी वे प्रतिदिन सुबह अपने हाथ से चक्की पर आटा पिसा करते थे। उनके जीवन का नियम था कि प्रत्येक व्यक्ति को अपना प्रत्येक कार्य स्वयं करना चाहिए। उनमें हर प्रकार का कार्य करने की अद्भुत क्षमता और शक्ति थी। जैसे बोअर-युद्ध के दौरान उन्होंने घायलों को स्ट्रेचर पर लादकर उन्हें एक-एक दिन में पच्चीस-पच्चीस मील तक ढोया था। उनके सहयोगी स्वतंत्रता सेनानी सरदार वल्लभभाई पटेल गांधीजी के इस कृत्य से काफी प्रभावित हुए। गांधी जी का व्यक्तित्व हमें सत्य, अहिंसा व स्वावलंबन की शिक्षा देता है। उनके इन्हीं आदर्शों के कारण गांधी जी को प्यार से 'बापू' भी पुकारा जाता है।

1. गांधीजी प्रतिदिन सुबह क्या कार्य करते थे?
2. 28 फरवरी 1888, मंगलवार के दिन गांधीजी लंदन में अपने मित्र के घर गए। दस दिन बाद जब वह लौटे तब कौन-सा दिन होगा?

(क) सोमवार (ख) बुधवार

(ग) शुक्रवार (घ) रविवार

3. हाल ही में भारत के गुजरात राज्य में किस स्वतंत्रता सेनानी की विश्व-स्तरीय प्रतिमा का अनावरण किया गया ?

4. विश्व की सबसे ऊंची (182 मीटर) प्रतिमा को क्या नाम दिया गया है ?

5. अगर एक मील, 1.61 किलोमीटर के बराबर है तो गांधीजी पच्चीस मील की दूरी कितने किलोमीटर के बराबर तय करते थे?

(क) 35.42 किलोमीटर (ख) 40.25 किलोमीटर

(ग) 46.69 किलोमीटर (घ) 32.2 किलोमीटर

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनः प्राप्ति	वर्णनात्मक	सरल
2	विश्लेषण	बहुविकल्पी	औसत
3	व्यापक समझ	वर्णनात्मक	औसत
4	व्यापक समझ	तार्किक	कठिन
5	विश्लेषण	बहुविकल्पी	औसत

प्रतिमान - 7

भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बच्चों के अधिकारों के लिए किये गए कार्य के लिए सत्यार्थी को 2014 में नोबेल शांति पुरस्कार मिला था। इस मौके पर सत्यार्थी ने कहा, “कई हमलों और बर्बरता के बावजूद हर बच्चे को मुक्त कराने की अपनी प्रतिबद्धता से न ही हम कभी पीछे हटे और न ही कभी समझौता किया” । 'द प्राइस ऑफ फ्री' फिल्म करुणा, आशा और साहस को प्रदर्शित करती है और साथ ही जिम्मेदार उपभोक्तावाद के तहत बाल-श्रम मुक्त उत्पादन और आपूर्ति के लिए आवाज़ बुलंद करती है। साथ ही ये फिल्म कानून बनाने और उसे लागू करने वाली संस्थाओं को बच्चों के लिए किये जाने वाले कार्यों के प्रति प्रेरित करती है। ऑस्कर विजेता फिल्म निर्माता डेविस गुगेनहेम की सत्यार्थी के जीवन और काम पर बनी फ्री ऑफ द प्राइस नाम के इस वृत्तचित्र को 2018 में साल्ट लेक सिटी में हुए सन डांस फिल्म समारोह में ग्रैंड जूरी का पुरस्कार मिला था। यू ट्यूब पर मौजूद इस डाक्यूमेंट्री को इसी साल मोंटे कार्लो फिल्म फेस्टिवल पीसजम अवॉर्ड भी मिला था। इस मौके पर वॉकहार्ट समूह के अध्यक्ष और संस्थापक डॉ. हबिल खोराकीवाला ने बाल दासता को समाप्त करने और दुनिया भर में लाखों बच्चों के उनका अधिकार दिलाने के लिए आजीवन प्रतिबद्ध कैलाश सत्यार्थी को वॉकहार्ट लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार के साथ सम्मानित किया। समारोह में डॉ. हबिल खोरकीवाला के सुपुत्र डॉ. हुजैफा खोराकीवाला (जिन्हें डॉ. हूज़ के नाम से जाना जाता है) ने कहा कि आज कैलाश सत्यार्थी को इस पुरस्कार से सम्मानित करते वक्त हमें गर्व की अनुभूति हो रही है। सत्यार्थी हम सबके लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। हमारा समूह शिक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य सेवा और हुनरमंदों के लिए काम करता है और हमें पूरी उम्मीद है कि हम असहाय लोगों के लिए और अधिक कार्य करेंगे।

1. कैलाश सत्यार्थी को नोबेल पुरस्कार किस कार्य के लिए दिया गया?

2. सर्वप्रथम किस भारतीय को नोबेल शांति पुरस्कार मिला?
3. कैलाश सत्यार्थी के जीवन और काम पर बनी फिल्म का क्या नाम है व इसके निर्माता का नाम भी बताएं?
4. कैलाश सत्यार्थी को 'वॉक हार्ट लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार से क्यों सम्मानित किया गया?
5. एक कारखाने से चार बच्चों को छुड़वा कर स्नेहालय में भेजा गया। इन के नाम व उम्र क्रमश: रमेश 9 वर्ष, मोहित 11 वर्ष, ज़हीर 12 वर्ष व सुनील 14 वर्ष है। पूछने पर पता चला कि ज़हीर व सुनील 6 वर्ष से वहाँ काम कर रहे थे व बाकी दोनों 2 वर्ष से वहाँ थे। पता करें कि जब इन बच्चों को वहाँ काम करने लाया गया तब उनकी उम्र क्या थी?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	कठिन
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तार्किक	औसत
5	विश्लेषण	तार्किक	औसत

प्रतिमान - 8

सच्चा वीर कभी आपत्तियों से नहीं घबराता। प्रलोभन उसे कर्तव्य पालन से विमुख नहीं कर सकता। ऐसी आत्मविश्वासी, कर्तव्यपरायण और स्वाभिमानी थीं - वीरांगना लक्ष्मीबाई। भारतीय वसुंधरा को गौरवान्वित करने वाली महारानी लक्ष्मीबाई वास्तविक अर्थ में वीरांगना थी। इनका जन्म वाराणसी, उत्तर प्रदेश में 19 नवंबर 1828 ई को हुआ था। इनका बचपन का नाम मणिकर्णिका था। सभी उन्हें प्यार से मनु या छबीली कह कर पुकारते थे। उनकी माता जी का नाम भागीरथी बाई और पिता का नाम मोरोपंत तांबे था। मनु ने बचपन से ही शास्त्रों की शिक्षा के साथ-साथ शस्त्रों की शिक्षा भी ली थी। सन् 1842 में उनका विवाह झाँसी के मराठा राजा गंगाधर राव के साथ हुआ। झाँसी की रानी सन् 1851 में रानी लक्ष्मीबाई जी ने एक पुत्र को जन्म दिया परंतु 4 महीने की उम्र में ही उस बालक की मृत्यु हो गई। सन् 1853 में महाराज की तबीयत बहुत अधिक बिगड़ जाने के कारण उन्हें दत्तक पुत्र लेने की सलाह दी गई। पुत्र गोद लेने के बाद 21 नवंबर 1853 को राजा गंगाधर राव की मृत्यु हो गई। दत्तक पुत्र का नाम दामोदर राव रखा गया।

ब्रितानी राज ने अपनी राज्य हड़प नीति के तहत बालक दामोदर राव के खिलाफ अदालत में मुकदमा दायर कर दिया। रानी को किला छोड़कर रानी महल में जाना पड़ा, पर रानी ने हिम्मत नहीं हारी। हर हाल में उन्होंने राज्य झाँसी की रक्षा करने का कर्तव्य निभाया। झाँसी पड़ोसी राज्यों और ब्रितानी हुकूमत के खतरों से अनजान न थी इसलिए उन्होंने झाँसी की सुरक्षा को सुदृढ़ करना शुरू कर दिया और एक स्वयंसेवक सेना का गठन प्रारंभ किया। इस सेना में उन्होंने महिलाओं की भी भर्ती की। उन्हें युद्ध का प्रशिक्षण दिया। झलकारी बाई, जो रानी की हमशक्ल थी, को उन्होंने अपनी सेना में प्रमुख स्थान दिया। सन् 1857 के सितंबर-अक्टूबर के महीनों में झाँसी के दो पड़ोसी राज्यों ओरछा और दतिया के राजाओं ने झाँसी पर आक्रमण कर दिया। रानी ने उनको मुँहतोड़ जवाब दिया। इसके बाद ब्रितानी सेना ने झाँसी पर आक्रमण कर दिया। 1858 के जनवरी माह में ब्रितानी सेना ने झाँसी की ओर बढ़ना शुरू किया और मार्च 1858 में झाँसी को चारों ओर से घेर कर झाँसी पर कब्जा कर लिया। लेकिन रानी अपने दत्तक पुत्र दामोदर राव के साथ बच निकलीं। रानी कालपी पहुंची। जहाँ वे तात्या टोपे से मिलीं। तात्या टोपे और रानी की संयुक्त सेना ने ग्वालियर के विद्रोही सैनिकों की मदद से ग्वालियर के किले पर कब्जा कर लिया। बाजीराव प्रथम के वंशज अली बहादुर द्वितीय को उन्होंने राखी भेजी थी इसलिए वे भी युद्ध में रानी के सहायक बने। 18 जून 1858 को ग्वालियर के पास कोटा की सराय में ब्रितानी सेना से लड़ते-लड़ते रानी वीरगति को प्राप्त हुईं।

1. झांसी की रानी की मृत्यु किस प्रकार और किस आयु में हुई ?
2. झांसी की रानी ने सेना में महिलाओं की भर्ती करके उन्हें प्रशिक्षण देकर एक महिला सशस्त्र सेना तैयार की थी। आज के दौर में भारतीय सेनाओं में महिलाओं की क्या स्थिति है ?

3. प्राचीन भारत अनेक छोटे-छोटे राज्यों में बाँटा था। जिनमें से कुछ आपस में मित्र होते थे, कुछ शत्रु। आज के समय में भी क्या भारत के कोई मित्र-राष्ट्र या शत्रु राष्ट्र हैं? यदि हाँ, तो उनके नाम लिखें ।
4. मान लीजिए यदि उस समय किसी राजा की सेना में एक पैदल सैनिक का मासिक वेतन 1 रुपए 50 पैसे, एक घोड़े का मासिक खर्च 5.50 रुपए, एक हाथी का मासिक खर्च 9.50 रुपए होता था, तो बताओ
   1) कुल 500 पैदल सैनिकों का मासिक वेतन क्या होगा ?

   2) 70 घोड़ों और 25 हाथियों का कुल मासिक खर्च कितना होगा?

5) ब्रितानी का अर्थ बताएँ ?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	कठिन
3	व्यापक समझ	वर्णात्मक	कठिन
4	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
5	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत

प्रतिमान - 9

नि:शुल्क पौधे कहां और कब मिलेंगे, शेड्यूल जारी

पर्यावरण संरक्षण: कोई भी इस गाड़ी से ले सकता है 5 पौधे

वन विभाग 'आपके द्वार' पहल के तहत आपके एरिया में गाड़ी नि:शुल्क पौधे बांटने कब पहुंचेगी, इसका शेड्यूल फॉरेस्ट डिपार्टमेंट ने जारी कर दिया है। आप इस गाड़ी से बिना किसी औपचारिकता के पांच पौधे तक निशुल्क ले सकते हैं। एक व्यक्ति को 5 पौधे तक दिए जा सकते हैं। यह गाड़ी रोज सुबह 10 से शाम 6 बजे तक शेड्यूल में तय एरिया के अंदर घूमेगी। अपने एरिया में गाड़ी की जानकारी लेने के लिए लोग 78370 39567 नंबर पर कॉल कर सकते हैं। वहीं अगर किसी को इससे ज्यादा पौधे चाहिए तो वह फॉरेस्ट डिपार्टमेंट की किसी भी नर्सरी से संपर्क कर सकते हैं।

डिपार्टमेंट की किसी भी नर्सरी से संपर्क कर सकते हैं।

1. **पर्यावरण संरक्षण हेतु कौन सा विभाग बेहतरीन प्रयास कर रहा है?**
2. **किस तारीख को सबसे अधिक एरिया में पौधे बांटे जाएंगे?**
3. **यदि 20 जुलाई और 27 जुलाई को प्रत्येक सेक्टर में 175 पौधे दिए जाएं, तो उस दिन कितने नि:शुल्क पौधे वितरित किए गए होंगे?**
4. **निशुल्क पौधे बांटने वाली गाड़ी एक सेक्टर में 35 मिनट लगाती है, तो बताएं 5 सेक्टरों में पौधे वितरित करने के बाद 6वें सेक्टर में गाड़ी कितने बजे पहुंचेगी?**
5. **क्या आपने अपने घर में या घर के आस-पास पौधे लगाएं हैं? तो बताइए आप उनका ध्यान किस प्रकार रखते हैं?**

यह है पौधा बांटने वाली गाड़ी का शेड्यूल	
तिथि	पौधे बांटने का एरिया
20 जुलाई	सेक्टर 16, 23, 15, 24
21 जुलाई	सेक्टर 7, 10, 8, 9, 11
22 जुलाई	सेक्टर 14, 25, 12, 39, धनास, खुड्डा लाहौरा, सारंगपुर
23 जुलाई	सेक्टर 4, 26, किशनगढ़ और कैंबवाला
24 जुलाई	सेक्टर 28, 29 मनीमाजरा और मौलीजागरां
25 जुलाई	सेक्टर 31, 32, 46, 47 और रामदरबार
26 जुलाई	सेक्टर 33, 34, 44, 45 और बुडैल
27 जुलाई	सेक्टर 35, 36, 42, 43
28 जुलाई	सेक्टर 37, 38, 40, 41 कजहेड़ी और बढ़हेड़ी
29 जुलाई	सेक्टर 55, 56 मलोया और डड्डूमाजरा
30 जुलाई	सेक्टर 51, 52, 53, 54 और पलसोरा
31 जुलाई	सेक्टर 48, 49, 50, 61, 62 और 63

1. पर्यावरण संरक्षण हेतु कौन-सा विभाग बेहतरीन प्रयास कर रहा है?
2. किस तारीख को सबसे अधिक एरिया में पौधे बांटे जाएंगे?
3. यदि 20 जुलाई और 27 जुलाई को प्रत्येक सेक्टर में 175 पौधे दिए जाएं, तो उस दिन कितने निशुल्क पौधे वितरित किए गए होंगे?
4. निशुल्क पौधे बांटने वाली गाड़ी एक सेक्टर में 35 मिनट लगाती है, तो बताएं 5 सेक्टरों में पौधे वितरित करने के बाद 6वें सेक्टर में गाड़ी कितने बजे पहुंचेगी?

5. क्या आपने अपने घर में या घर के आस-पास पौधे लगाएं हैं? तो बताइए आप उनका ध्यान किस प्रकार रखते हैं?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
3	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
5	व्यापक समझ	तार्किक	औसत

प्रतिमान-10

मिशन चंद्रयान-2 • चांद पर भेजे जाने वाले उपकरणों से लेकर चांद जैसी मिट्टी तक सब कुछ स्वदेशी

तमिलनाडु में तलाशी चांद जैसी चट्टानें, पीसकर मिट्टी बनाई; फिर बेंगलुरू में चांद सी सतह बनाकर हजारों बार कराई रोवर की लैंडिंग

चंद्रयान-1 से मिलीं हजारों तस्वीरें देख तय किया लैंडिंग स्पॉट

श्रीहरिकोटा से डॉ. एम अन्नादुरई
(चंद्रयान-1 के डायरेक्टर, चंद्रयान-2 मिशन में भी शामिल रहे)

अब सिर्फ 7 सितंबर का इंतजार है, जब हम चंद्रयान-2 को चांद पर उतरा देखेंगे और दुनिया भारत की ओर देख रही होगी। चंद्रयान-2 में भी वही ऑर्बिटर है, जो चंद्रयान-1 में था। लेकिन, रूसी स्पेस एजेंसी रॉसकॉस्मॉस से करार टूट जाने के बाद इसरो को लैंडर और रोवर खुद ही बनाने पड़े। सबसे बड़ी चुनौती लैंडर और रोवर की टेस्टिंग की थी। इसके लिए चंद्रमा जैसी ही मिट्टी, कम ग्रेविटी का क्षेत्र, चांद पर पड़ने वाली सूरज की चमकदार रोशनी और वातावरण सबकुछ वैसा ही रीक्रिएट करने की जरूरत थी। एक तरीका तो यह था कि अमेरिका से सिमुलेटेड लूनर सॉयल (चांद जैसी मिट्टी) लाते, जो 150 डॉलर/किलो है। हमें 70 टन मिट्टी की जरूरत थी। लागत ज्यादा थी, इसलिए तय हुआ कि अमेरिका से सिर्फ थोड़ी सी मिट्टी खरीदी जाए और उसका अध्ययन करके वहां ऐसी मिट्टी लाई जाए। भूविज्ञानियों की मदद से इसरो को पता चला कि तमिलनाडु के सालेम में एनॉर्थोसाइट नाम की चट्टानें है, जो चांद पर मौजूद चट्टानों से मिलती-जुलती हैं। हमारी टीम ने सालेम के सीतामपोंडी और कुन्नामलई गांव की चट्टानों को उपयुक्त पाया। जिस मिट्टी के लिए 72 करोड़ रुपए खर्च करने पड़ते, वह काम मुफ्त में हो गया। त्रिची के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, सालेम की पेरियार यूनिवर्सिटी और बेंगलुरू के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस के वैज्ञानिकों ने उन चट्टानों को पीसकर चंद्रमा जैसी मिट्टी बना दी। वहां से ट्रकों में लादकर मिट्टी इसरो सैटेलाइट इंटीग्रेशन एंड टेस्टिंग एस्टेब्लिशमेंट बेंगलुरू लाई गई और वहां दो मीटर मोटी सतह बनाई गई। साथ ही उतनी ही रोशनी बरकरार रखी गई, जितनी चांद पर है। वहां 2015 से अब तक हजारों बार लैंडिंग कराई गई। चांद पर गुरुत्वाकर्षण बल पृथ्वी से छह गुणा कम है। इसलिए टेस्टिंग के दौरान रोवर का वजन कम करने के लिए हीलियम के गुब्बारे लगाए गए।

जैसा डॉ. अन्नादुरई ने अनिरुद्ध शर्मा को बताया।

54 दिन में ऐसे चांद पर पहुंचेगा भारत

17 मिनट में रॉकेट चंद्रयान-2 को पृथ्वी की कक्षा में पहुंचाएगा

भारत के सबसे ताकतवर रॉकेट (बाहुबली) से अलग होने के बाद ऑर्बिटर अगले 16 दिन में पृथ्वी के 5 चक्कर लगाएगा।

लैंडिंग के लिए खुद ही समतल जगह चुनेगा

लैंडर में सेंसर का ऐसा सेट लगा है, जो चांद की सतह सपाट है या नहीं, इसका एक सेकंड से भी कम समय में पता लगाकर तय करता है कि वहां लैंडर का पांव रखने चाहिए या नहीं। उसके बाद ही वह लैंडिंग करेगा।

CamScanner

1- लैंडर और रोवर के सफल परीक्षण के लिए उपयुक्त वातावरण कैसे बनाया गया?

2- अमेरिका से चांद जैसी मिट्टी लाने के लिए अनुमानित खर्च कितना होता?

1- 150 रूपये प्रति किलो | 2- $70 प्रति किलो

3- 27 करोड़ | 4- 150 डालर प्रति किलो

3- रॉकेट बाहुबली चंद्रयान-2 कितने समय में पृथ्वी की कक्षा में पहुंच जाएगा ?

1- 17 मिनट में | 2- 16 दिन में

3- 54 दिन में 4- 4 दिन में

4- लैंडर में लगे सेंसर का काम है-

1-पृथ्वी का चक्कर लगाना 2- चांद की सतह सपाट है या नहीं का पता लगाना

3- लैंडर को चांद की ओर बढ़ाना 4- हीलियम के गुब्बारे लगाना

5- तुम्हारा स्कूल घर से 6 किलोमीटर है अगर आप पैदल जाते हैं तो 60 मिनट में पहुंचते हैं। स्कूटर से जाने पर आठ मिनट लगते हैं , लेकिन बस से जाने पर 18 मिनट लगते हैं। यदि आपके पैदल चलने की गति 10 मिनट प्रति किलोमीटर है तो बताइए कि स्कूटर से आपको स्कूल पहुँचने में कितना समय लगेगा?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत
4	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
5	विश्लेषण	तार्किक	कठिन

प्रतिमान - 11

TATA MOTORS
Connecting Aspirations
TATA
मानसून
धमाका!
₹100000*
तक का फायदा
0.99%*
ब्याज दर पर
जल्दी करें!
योजना 31 जुलाई 2019 तक
GOLDEN ऑफर्स
आकर्षक एक्सचेंज* ऑफर
मुफ्त* पर्सनल एवं हेल्थ बीमा 10 लाख तक के फायदों के साथ हॉस्पिटलाइज़ेशन
अधिक जानकारी के लिए मिस्ड कॉल करें : 080-30636006
टाटा मोटर्स लिमिटेड: 7347529932, 9915419947
अधिकृत डीलर: सीएमपीएल मोटर्स चंडीगढ़ : प्लॉट नं–52, इंडस्ट्रीयल एरिया फेस–1, चंडीगढ़, 9216334501,
ई–103, फेज–7, इण्डस्ट्रीयल एरिया, मोहाली–9041034512, पंचकुला, कालका, जीरकपुर, डेराबस्सी, खरड़, रोपड़, कुराली, मोरिंडा

1- दिए गए विज्ञापन में मानसून 'धमाका' क्या है?

2- मानसून धमाका में डीलर्स ने क्या मुफ्त देने का प्रस्ताव दिया है?

1- दो गाड़ियां ख- 100000 रूपये

2- छतरी घ- 10,00,000 का स्वास्थ्य बीमा

3- जैसे टाटा मोटर्स ने छोटे वाहनों पर 'मानसून धमाका ऑफर' दिया है। वैसे ही तीन वाहन निर्माता कंपनियों के नाम लिखिए ।

4- 'मानसून धमाका ऑफर' कितने प्रतिशत (%) ब्याज पर उपलब्ध है?

1- 0.99% ख-.099% ग- 099.0% घ- 0.990%

5- 'एक्सचेंज ऑफर' से आप क्या समझते हैं। इससे संबंधित कोई एक उदाहरण लिखें।

6- टाटा मोटर्स के अधिकृत डीलर 'सीएमपीएल मोटर्स' चंडीगढ़ में स्थित है–

1- ई -103,फेज 7 2- प्लॉट नं 52 पंचकुला

3-प्लॉट नंबर 52 फेस 1 चंडीगढ़ 4- प्लॉट नंबर जीरकपुर

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत
3	सृजन	तार्किक	औसत
4	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
5	व्यापक समझ	व्याख्यात्मक	औसत
6	सूचना की पुनः प्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत

प्रतिमान 12

भारत की धरती को ऋषियों , मुनियों और देवताओं की भूमि माना जाता है। यह भूमि कई तरह के अद्भुत ज्ञान व चमत्कारों से भरी है। हमारे ऋषि मुनियों ने घोर तप व संयम से वेदों में छिपे इस गूढ़ ज्ञान व विज्ञान को हमारे समक्ष प्रस्तुत किया है। क़ुदरत से जुड़े कई रहस्य उजागर किए हैं। ऐसे अद्भुत ज्ञान के आगे आज का विज्ञान भी नत-मस्तक है। आइए , आज हम कुछ प्राचीन ऋषियों मुनियों व वैज्ञानिकों के रहस्य को जानें जिन रहस्यों से हम सब अब तक अनजान होंगे।

आर्य भट्ट : आर्य भट्ट विशेष खगोलज्ञ और गणितज्ञ व ज्योतिषविद थे। इन्होंने 120 आर्य छंदों में ज्योतिष शास्त्र के अनेक सि द्धांतों जैसे अंक गणित , बीजगणित और त्रिकोणमिति के 33 नियमों को अपनी रचना आर्यभटीयम में प्रतिपादित किया। कोपरनिकस से लगभग 1 हज़ार साल पहले ही आर्य भट्ट ने यह खोज कर ली थी कि पृथ्वी गोल है और अपने अक्ष पर घूमती है।

चरक महर्षि : चरक महर्षि वैद्य पितामह एवं आयुर्वेद विशारद के रूप में विख्यात हैं। इनके द्वारा रचित चरक संहिता भारतीय चिकित्सा विज्ञान का मानक ग्रंथ है। चरक जी ने भ्रूण की उत्पत्ति एवं विकास मानव शरीर की रचना विज्ञान शरीर की कार्यविधि तथा अवस्था जैसे विषयों की विवेचना की। चरकसंहिता एक विशाल ग्रंथ है मधुमेह, टी.बी.एवं अन्य हृदय संबंधी रोग एवं उनकी चिकित्सा की भी पूरी-पूरी जानकारी मिलती है।

महर्षि भारद्वाज : भारद्वाज जी पहले विमान शास्त्री है जिन्होंने अगस्त्य के समय के विद्युत ज्ञान को और भी ज़्यादा बढ़ाया। 1875 में इनके द्वारा रचित विमान शास्त्र में विमान

की परिभाषा, विमान का पायलट आकाश मार्ग, वैमानिक के कपड़े, विमानों के पुर्ज़े, यन्त्र बनाने की विभिन्न धातुएँ व विमान चलाने के 32 रहस्य भी बताए गए हैं।

भास्कराचार्य : प्राचीन भारत के एक प्रसिद्ध गणितज्ञ एवं ज्योतिषी थे। इनके द्वारा रचित मुख्य ग्रंथ 'सिद्धान्त शिरोमणि' गणित ज्योतिषी के विकास पर एक संपूर्ण ग्रंथ है। इन्होंने गुरुत्वाकर्षण के बारे में लिखा है कि पृथ्वी आकाशीय पदार्थों की विशिष्ट शक्ति से अपनी ओर खींचती है तथा गुरुत्वाकर्षण के कारण आकाशीय पिंड पृथ्वी पर गिरते हैं। आधुनिक युग में चाहे गुरूत्वाकर्षण शक्ति की खोज का श्रेय न्यूटन को दिया जाता है परंतु उसका रहस्य न्यूटन से कई सदियों पहले भास्कराचार्य ने उजागर कर दिया था। तो अभी हमने भारत के महान आविष्कारकों के बारे में जाना।

1-गुरुत्वाकर्षण की शक्ति के आविष्कार का श्रेय किसे मिलता है , किस भारतीय ऋषि ने सदियों पहले इसे खोज निकाला था?

2-विमान चलाने के कितने रहस्य तथा किसके द्वारा बताए गए हैं?

3-चरक महर्षि किस क्षेत्र में विख्यात हैं?

4-जब लिफ़्ट ऊपर की ओर जाती है तो लिफ़्ट में स्थित पिंड का भार बढ़ेगा या घटेगा बताएँ?

5-पृथ्वी अपने अक्ष पर घूमते हुए कितने समय में एक चक्कर पूरा करती है ?

6-शिक्षा के क्षेत्र में विकास के लिए आप कौन सा नवीन आविष्कार करना चाहोगे ?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
3	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
4	विवेचन	तार्किक	औसत
5	विश्लेषण	तार्किक	कठिन
6	सृजन	वर्णनात्मक	कठिन

प्रतिमान 13

समय रहते ही कार्य का महत्व है। समय बीत जाने पर किसी का कुछ महत्त्व नहीं रहता। इस संसार में सबसे अमूल्य वस्तु है -'समय' जो इसे नष्ट करता है , वह स्वयं नष्ट हो जाता है। संसार में सभी चीजों को घटाया-बढ़ाया जा सकता है। परंतु समय को नहीं। कबीर के अनुसार जो लोग दिन खाने-पीने में रात सो कर गुजारा देते हैं। वे अपने हीरे जैसे अमूल्य जीवन को कौड़ी के बदले बेच देते। ऐसे लोगों को उस समय पछताना पड़ता है जब समय उनके हाथ से निकल जाता है। वह हाथ मल कर पश्चाताप के कड़वे फल चखते रह जाते हैं। किसी ने ठीक ही कहा है कि समय तथा समुद्र की लहरें किसी की प्रतीक्षा नहीं करती। हमें सदैव यह भी ध्यान रखना चाहिए कि समय की दुनिया में अमीर-गरीब, ऊंच-नीच का भेद-भाव नहीं है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि जिसने भी समय के महत्व को जाना है वह सफलता की सीढ़ियां चढ़ा है। विद्यार्थी जीवन में समय का अपना ही महत्व है। कबीर जी ने कहा है-

"काल करे सो आज कर, आज करे सो अब।

पल में प्रलय होएगी, बहुरि करेगा कब।।"

औरंगजेब ने अपने वसीयतनामा में लिखा है -जो व्यक्ति एक पल भी गफ लत में गवां देता है वह सारी उम्र पछताता है। गांधी जी कहा करते थे - समय मित्रों के रूप में हमारे सामने आता है और प्रकृति की अमूल्य भेंट लाता है। अगर हम उनका उपयोग न करें तो वे चुपचाप लौट जाएंगे। समय निकल जाने पर परिश्रम का कोई महत्व है ही नहीं। पूरा वर्ष कामना करके यदि आप सोचें कि फेल हुए बिना रह जाएंगे, तो यह गलत धारणा है फिर केवल पछताना ही रह जाता है। प्रसिद्ध कवि और नाटककार शेक्सपियर ने अपने प्रसिद्ध नाटक जूलियस सीजर में एक स्थान पर कहा है -There is a tide of time अर्थात हर व्यक्ति के जीवन में समय

की एक लहर आया करती है, जो उस लहर को पहचान कर पकड़ आने में सफल हो जाया करता है वह कभी भी किसी से पीछे नहीं रहता और इस दृष्टि से कभी भी सोचने की जरूरत नहीं पड़ती कि 'का वर्षा जब कृषि सुखाने'।

1. इतिहास किस बात का साक्षी है?
2. औरंगजेब ने अपने वसीयतनामा में क्या लिखा?
3. 'का वर्षा जब कृषि सुखाने' का भाव स्पष्ट कीजिए।
4. समय-सारणी बनाते हुए अपने दिनचर्या का उल्लेख कीजिए।
5. यदि जून के महीने में आपने रोज 45 मिनट हिंदी विषय पढ़ा तो, पूरे महीने में कितने घंटे और मिनट हिंदी विषय को दिए ?
6. 'हाथ मलना' मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
3	सृजन	व्याख्यात्मक	कठिन
4	विश्लेषण	तथ्यात्मक	कठिन
5	विश्लेषण	तार्किक	कठिन
6	सृजन	वर्णनात्मक	औसत

प्रतिमान 14

बाल मजदूरी से अभिप्राय है - कम आयु के बच्चों से उनका बचपन छीन कर उनसे जबरन काम करवाना। आज यह समस्या देश के लिए अभिशाप बन गई है। भूख , गरीबी, लाचारी ही बाल मजदूरी को जन्म देती है। 16-16 घंटे काम करने के बाद भी दो वक्त की पेट भर रोटी न मिलना , मालिकों की बर्बरता और अत्याचार को सहना आज के बाल -श्रमिकों की दास्तां बन चुकी है। जिस उम्र में बच्चों को खेल कूद और पढ़ना होता है , उस उम्र में गरीब बच्चों को विवश होकर होटलों , ढाबों, मिलों, दुकानों या घरों में जाकर मेहनत करनी पड़ ती हैं। दुनिया थक कर सो जाती है किंतु यह बाल श्रमिक अपने दुख-दर्द और बाल्यकाल की अठखेलियां को भूल भूखे पेट तन्हाइयों में खो जाते हैं। अति तो तब होती है जब बीमार होने पर भी बख्शा नहीं जाता। इस पर भी बची-खुची जूठन ही उनके नसीब में होती है। इस पर भी माह के अंत में पूरा वेतन न मिलना कई कई बार तो मालिक जानबूझकर दो-दो तीन-तीन महीने का वेतन नहीं देते ताकि उनके यह सस्ते नौकर काम छोड़कर भाग न जाए। ऐसा दयनीय जीवन होता है इन बाल मजदूरों का।

पंडित जवाहरलाल नेहरू का बच्चों के प्रति अनूठे प्रेम ने बाल दिवस)14 नवंबर (को जन्म दिया था लेकिन इन बाल श्रमिकों को देखकर शायद नेहरू जी की आत्मा भी रोती होगी। ऐसा नहीं कि बाल मजदूरी समाप्त करने के लिए सरकार ने कोई कानून न बनाया हो। शिक्षा का अधिकार कानून 2009 और सर्व शिक्षा अभियान जैसी योजनाएं भारत में बाल मजदूरी जैसी बुराई से निपटने के लिए ही बने हैं। अंतर्राष्ट्रीय मजदूर संगठन ने भी 2016 तक पूरी दुनिया से बाल मजदूरी को खत्म करने का लक्ष्य दिया था। विश्व भर में 12 जून को बाल श्रम के खिलाफ विश्व दिवस मनाया जाता है लेकिन सरकार के बड़े बड़े ठेकेदार स्वयं इस कानून को

ठेंगा दिखाते नजर आते हैं। आज सरकार के साथ -साथ प्रत्येक व्यक्ति को चाहिए कि जहां भी कोई बाल श्रमिक देखा या पाया जाता है तुरंत उसके मालिक पर ठोस कार्रवाई करने में अपना कर्तव्य निभाएं। बच्चे देश के भविष्य हैं, कल के नेता हैं, देश के कर्णधार हैं और हमारे गले के हार हैं। इन्हें पढ़ाया जाना चाहिए। बाल श्रम से बचाना चाहिए ।

1. बाल श्रम के खिलाफ विश्व दिवस कब मनाया जाता है ?
2. बाल श्रमिक का बाल्यकाल कैसा होता है?
3. बाल मजदूरी समाप्त करने के लिए आप क्या सुझाव देना चाहेंगे ?
4. बाल दिवस किस महापुरुष के जन्म दिवस के अवसर पर मनाया जाता है?

   क) महात्मा गांधी ख) पंडित जवाहर लाल नेहरू

   ग) डा॰ बी॰ आर॰ अंबेडकर घ) लाल बहादुर शास्त्री
5. यदि मजदूर का 15 दिन का वेतन ₹35 है 105 दिन का वेतन कितना होगा?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
3	सृजन	वर्णनात्मक	कठिन
4	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
5	विश्लेषण	तथ्यात्मक	कठिन

प्रतिमान 15

सुप्रसिद्ध लेखक धर्मवीर भारती जी, जुलाई 1989 की घटना को याद करते हुए लिखते हैं:- बचने की कोई उम्मीद नहीं थी तीन-तीन जबरदस्त हार्ट-अटैक, एक के बाद एक। एक तो ऐसा की नब्ज बंद, सांस बंद, धड़कन बंद। डॉक्टरों ने घोषित कर दिया कि अब प्राण नहीं रहे, पर डॉक्टर बोर्जेस ने फिर भी हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने 900 वोल्ट के शॉक्स दिए। भयानक प्रयोग। लेकिन वे बोले कि यदि यह मृत शरीर मात्र है तो दर्द महसूस ही नहीं होगा, पर यदि कहीं भी जरा भी एक कण प्राण श्रेष्ठ होंगे तो हार्ट रिवाइव कर सकता है। प्राण तो लौटे, पर इस प्रयोग में 60% हार्ट सदा के लिए नष्ट हो गया। केवल 40% बचा। उसमें भी तीन अवरोध है। ओपन हार्ट ऑपरेशन तो करना ही होगा। पर सर्जन हिचक रहे हैं। केवल 40% हार्ट है। ऑपरेशन के बाद न रिवाइव हुआ तो? तय हुआ कि अन्य विशेषज्ञों की राय ली जाए, कुछ दिन बाद ऑपरेशन की सोचेंगे। बेहाल ऐसी अर्धमृत्यु की हालत में वापस घर लाया जाता हूं। मेरी ज़िद्द है कि बेडरूम में नहीं, मुझे अपनी किताबों वाले कमरे में ही रखा जाए। वहीं लिटा दिया गया मुझे। चलना, बोलना, पढ़ना मना। दिनभर पड़े-पड़े दो ही चीजें देखता रहता, बाईं ओर की खिड़की के सामने रह-रहकर हवा में झूलते सुपारी के पेड़ के झालरदार पत्ते और अंदर कमरे में चारों ओर फर्श से लेकर छत तक ऊंची, किताबों से खचाखच भरी अलमारियां। यह था मेरा छोटा सा पुस्तकालय। मुझे ऐसा लग रहा था कि जैसे राजा के प्राण उसके शरीर में नहीं, तोते में रहते हैं, वैसे ही मेरे प्राण इस शरीर से तो निकल चुके हैं, लेकिन हजारों किताबों में बसे हुए हैं, जो चालीस-पचास बरस में धीरे-धीरे मेरे पास जमा हुई थीं।

1. यदि 1 मिनट में मनुष्य का दिल सामान्यत: 72 बार धड़कता है तो 3 घंटों में कितनी बार धड़केगा?
2. लेखक को कितने वोल्टस के शॉक्स दिए गए?
3. पुस्तकालय किसे कहते हैं?
4. एक अलमारी में 400 पुस्तकें रखी जा सकती हैं व हमारे पुस्तकालय में कुल 8000 पुस्तकें हैं तो इन्हें रखने के लिए कुल कितनी अलमारियों की जरूरत होगी?

5. अर्ध मृत्यु की हालत में लेखक को क्या काम करने के लिए मना नहीं किया गया?

1) पढ़ना ख) बोलना ग) सोना घ) चलना

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	विश्लेषण	तार्किक	कठिन
2	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
3	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
5	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत

प्रतिमान 16

किसी गांव में ब्रह्म दत्त नाम का एक ब्राह्मण रहता था। एक दिन किसी आवश्यक कार्य के लिए दूसरे गांव में रहने वाले उसके एक मित्र ने उसे अपने यहां आमंत्रित किया। ब्राह्मण चलने को तत्पर हुआ तो उसकी माता बोली," बेटा अकेले मत जाओ। किसी को साथ ले जाओ। "ब्राह्मण बोला," माता जी आप चिंतित न हो। रास्ता ज्यादा लंबा नहीं है। मैं बस यूं समझो कि वहां गया कि लौट कर आया।" "फिर भी बेटा। अकेले जाना ठीक नहीं होता। अच्छा जरा रुको, मैं साथ के लिए किसी का प्रबंध करती हूं।" यह कहकर ब्रह्मदत्त की मां बाहर एक तालाब पर पहुंची और वहां से एक केकड़ा उठा लाई। केकड़े को उसने एक कपूर की डिबिया में रखा और कपूर की डिबिया ब्रह्मदत्त के थैले में डालकर बोली- "यह तुम्हारा राह का साथी रहेगा।" गर्मी का महीना था। रास्ते में कुछ देर विश्राम करने के लिए ब्राह्मण एक घने वृक्ष की छाया में बैठ गया। कुछ ही देर बाद उसे नींद आ गई और वहीं सो गया। तभी समीप की एक झाड़ी से एक काला नाग बाहर निकला और कपूर के सुगंध से आकर्षित होकर ब्रह्मदत्त की ओर बढ़ने लगा। उसने ब्रह्मदत्त के थैले को फाड़ा और उसके अंदर घुस गया। नाग ने डिबिया को छेड़ा तो डिबिया खुल गई और केकड़ा बाहर निकल आया। केकड़ा नाग की गर्दन से चिपक गया और अपने नुकीले पंजे नाग की गर्दन में गड़ा दिए। कुछ ही देर में उसने नाग की गर्दन काट डाली। नाग उसी स्थान पर तड़प-तड़प कर मर गया। कुछ देर बाद जब ब्रह्मदत्त की नींद टूटी तो उसने अपने समीप मरा हुआ सांप देखा। केकड़ा उसकी गर्दन से चिपका हुआ था। यह दृश्य देखकर ब्रह्म दत्त समझ गया कि उसके सो जाने के पश्चात क्या घटित हुआ था। तब उसके मुंह से हठात यह सब निकल गए, "किसी ने सच ही कहा है। यात्रा कभी अकेले नहीं करनी चाहिए। कोई न कोई सहयात्री अवश्य साथ ले लेना चाहिए। अगर मैंने अपनी माता का कहना न माना होता तो आज मेरी मृत्यु निश्चित थी। इसलिए मैं कहता हूं कि यात्रा के समय साथ रहने वाला दुर्बल व्यक्ति भी उपकारक सिद्ध हो सकता है।"

1. ब्राह्मण का नाम क्या था? वह किस मौसम में यात्रा पर निकला?
2. माता ने ब्राह्मण को अकेले जाने से क्यों मना किया होगा?

1) मार्ग न भटक जाएँ ख) सुरक्षा कारणों से

ग)डर न जाएँ घ) उपरोक्त सभी

3. राह में ब्राह्मण का साथी कौन था? उसकी जान कैसे बची?
4. मान लो ब्राह्मण ने जंगल तक की दूरी 3 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से डेढ़ घंटे में पूरी की तो घर से जंगल की दूरी कितनी थी?
5. गर्मी और दोपहर का समय होने के कारण ब्रह्म दत्त की चाल शिथिल हो गई। उसके मित्र का घर अभी भी जंगल से 7.5 किलोमीटर की दूरी पर है। अब वह 2.5 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चल रहा है तो मित्र के घर कितने घंटे में पहुंचेगा?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	रचनात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तार्किक	कठिन
5	विश्लेषण	तार्किक	कठिन

प्रतिमान 17

विवेकानंद जी के जीवन की एक घटना इस प्रकार है। वाराणसी धाम में स्वामी जी गए थे। एक दिन दुर्गा मंदिर से लौट रहे थे कि बंदरों के एक झुंड ने स्वामीजी का पीछा किया। स्वामी जी भागने लगे, बंदर भी पीछे दौड़े। तभी एक वृद्ध संन्यासी ने स्वामी जी को पुकार कर कहा, "रुको,उन जानवरों का सामना करो।" स्वामीजी साहस जुटाकर पलटकर खड़े हुए, बंदर पहले सहसा रुक गए,फिर दुम दबाकर भागे। इस घटना से स्वामी जी को जीवन की एक महत्वपूर्ण शिक्षा मिली। विघ्न-बाधाओं को देखकर कभी भागना नहीं चाहिए, निर्भीक हृदय से उससे आंखें मिलानी चाहिए। परवर्ती जीवन में, न्यूयॉर्क में एक भाषण के समय स्वामी जी ने इस घटना का उल्लेख करते हुए कहा था, "यह पूरे जीवन के लिए ये एक शिक्षा है। भयंकर दुश्मन से भी आंखें मिलाओ। साहस के साथ उसके सम्मुख खड़े हो जाओ। जीवन के दुख -कष्ट को देखकर जब हम भागते नहीं तो वे बंदरों की तरह हमारे पास फटकने का साहस नहीं कर पाते। यदि हमें मुक्ति पाना है, तो प्रकृति पर विजय पाकर उसे पाना होगा। प्रकृति से मुँह मोड़कर नहीं। कायर कभी विजयी नहीं होते। यदि हम चाहते हैं कि भय, बाधा, विपत्ति एवं अज्ञता हम से दूर रहें तो हमें उनके विरुद्ध युद्ध की घोषणा करनी होगी ।"

1. स्वामी जी के साथ क्या घटना घटी और उससे निपटने का किसने उपाय बताया?
2. किन व्यक्तियों को जीवन में सफलता नहीं मिलती?
   1) कायरों को ख) वीर पुरुषों को ग) साहसी पुरुषों को
3. न्यूयॉर्क कहाँ स्थित है? इस घटना का क्या संदेश विवेकानंद जी ने वहाँ दिया था?
4. मनीष ने पाँच दर्जन केले पेड़ के नीचे रखे, बंदर झपट पड़े, जब सभी बंदर चले गए तो पेड़ के नीचे केवल चार केले बचे थे। बताओ बंदरों ने कुल कितने केले खाए?
5. आश्रम से दुर्गा मंदिर के दूरी लगभग 8 किलोमीटर है। यदि मनीष पैदल दुर्गा मंदिर जाने के लिए 8 मिनट में 500 मीटर की दूरी तय करता है तो उसे मंदिर पहुँचने में कितना समय लगेगा ?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तार्किक	कठिन
5	विश्लेषण	तार्किक	कठिन

प्रतिमान 18

तीन सौ साठ फीट लंबा और तीस फीट चौड़ा पहाड़ काटने के लिए कितना वक्त लग सकता है। निश्चित ही टेक्नोलॉजी के इस युग में इस सवाल का जवाब इस बात पर निर्भर करेगा कि आप पहाड़ का सीना चीरने के लिए किस मशीन का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन यह पूछा जाए कि इस काम को एक ही शख्स को अंजाम देना हो तो कितना वक्त लगेगा? शायद यह चकरा देने वाला सवाल होगा लेकिन बिहार के गया ज़िले के गेलौर गाँव में एक मज़दूर परिवार में जन्मे एक शख्स ने इसका जवाब अपने बाजूओं और अपनी मेहनत से दिया। पहाड़ को हिला देने वाले दशरथ माँझी ने राजधानी दिल्ली में 2007 में अंतिम साँस ली। उनका जन्म 1934 में हुआ था।

वर्ष 1966 की किसी अलसुबह जब छेनी हथौड़ा लेकर दशरथ माँझी अपने गाँव के पास स्थित पहाड़ के पास पहुँचे तो बहुत कम लोगों को इस बात का पता था कि इस शख्स ने अपने दिल में क्या ठान लिया है। मज़दूरी और कभी कभार इधर-उधर काम करने वाले दशरथ माँझी ने जब पहाड़ पर छेनी हथौड़ा चलाना शुरु किया तो आने-जाने वाले राहगीरों के लिए ही नहीं, गाँव के लोगों के लिए भी वह एक हँसी का पात्र बन गए थे। जीवन संगिनी फागुनी देवी का समय पर इलाज न करा पाने से उसे खो चुके दशरथ माँझी को इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। धुन के पक्के दशरथ की अथक मेहनत बाईस साल बाद तब रंग लाई जब उस पहाड़ से एक रास्ता दूसरे गाँव तक निकल आया।

दशरथ माँझी के गाँव से सबसे नज़दीकी वजीरगंज अस्पताल 90 किलोमीटर पड़ता था। दशरथ की पत्नी की तबीयत खराब होने पर उसे वहाँ ले जाने के दौरान ही उसने दम तोड़ दिया था। उन्हें लगा कि पहाड़ से कोई रास्ता होता तो मैं अपनी पत्नी को वक्त पर अस्पताल ले जाता और उसका इलाज करा पाता। सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की एक कविता है: “दुख तुम्हें क्या तोड़ेगा तुम दुख को तोड़ दो। बस अपनी आँखें और औरों के सपनों से जोड़ दो”। गाँव के निवासियों के मन में दबी इस छोटी-सी हसरत को अपनी जिंदगी का मिशन बना डाला और अपनी पत्नी की असामयिक मौत से उपजे प्रचंड दुख को एक नयी संकल्प शक्ति में तब्दील कर दिया। पाँच-छह साल तक दशरथ अकेले ही मेहनत करते रहे। धीरे-धीरे और लोग भी जुड़ते चले

गए। वहाँ एक दानपात्र भी रखा गया था जिसमें लोग चंदा डाल देते थे। कई लोग अपने घर से अनाज भी दे देते थे।

गेलौर से वजीरगंज जाने के अस्सी किलोमीटर की दूरी को 13 किलोमीटर ला देने वाला यह रास्ता श्रमिक के प्यार की निशानी है। दशरथ माँझी हमारे बीच नहीं है। लेकिन उन जैसे पात्र हमें पुराणों में मिलते हैं, फिर चाहे प्रोमेथियस हो या भगीरथ। ऐसी शख्सियतें, जो मनुष्य की उद्दाम जिजीविषा को प्रतिबिंबित कर रही होती हैं और अपनी कोशिशों से प्रकृति की दानव शक्तियों और इंसानियत के दुश्मनों से लड़ रही होती हैं। अपने जीवन का फलसफा बयान करते हुए उन्होंने एक पत्रकार को शायद इसलिए बताया था कि पहाड़ मुझे उतना ऊँचा कभी नहीं लगा जितना लोग बताते हैं। मनुष्य से ज़्यादा ऊँचा कोई नहीं होता।

1. दशरथ मांझी द्वारा काटा गया पहाड़ कितने इंच लंबा और कितने इंच चौड़ा था?

   क) 360 फुट लंबा ख) 360 फुट लंबा 30 फुट चौड़ा

   ग) 4320 इंच चौड़ा, 360 इंच लंबा घ) 4320 इंच लंबा, 360 इंच चौड़ा
2. दशरथ माँझी के जीवन में ऐसी कौन-सी घटना घटित हुई जिससे उन पर पहाड़ चीरने की धुन सवार हो गई?
3. "मनुष्य से ज्यादा ऊँचा कोई नहीं होता' इस पंक्ति का गदयांश के आधार पर उत्तर दें?
4. यदि दशरथ माँझी का जन्म 1934 में हुआ था और पहाड़ तोड़ना उन्होंने 1966 में शुरू किया किया, राजधानी दिल्ली में 2007 में उन्होंने अंतिम साँस ली तो बताएं उनका जीवनकाल कुल कितने वर्ष का था और वह कितने वर्ष के थे, जब उन्होंने पहाड़ तोड़ना आरंभ किया?
5. यदि हम अपने जीवन के लक्ष्य को प्राप्त करने में बार-बार असफल हो रहे हो तो क्या हमें जीवन में आगे बढ़ने की आशा को छोड़ देना चाहिए? स्पष्ट कीजिए।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	विश्लेषण	तथ्यात्मक	कठिन
2	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
3	सृजन	वर्णनात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
5	सृजन	तार्किक	कठिन

प्रतिमान 19

महज 10 साल का अनुराग न केवल मधुमेह जैसी बीमारी का शिकार है बल्कि वह हृदय रोगी भी हो चुका है। आज उसके माता-पिता उसे जबरदस्ती व्यायाम का रास्ता दिखा रहे हैं लेकिन उसका थुलथुल शरीर अब साथ नहीं दे पा रहा है। ऐसा नहीं है कि वह हमेशा से ही ऐसा था। वह भी स्वस्थ था लेकिन 'जंक फूड' की ललक ने उसे इस कगार पर पहुँच दिया है। हालांकि यह हाल सिर्फ अनुराग का ही नहीं है, बल्कि इसकी चपेट में वे तमाम बच्चे आ रहे हैं जो जंक फूड संस्कृति के जाल में फंस चुके हैं। आधुनिक रहन-सहन और दौड़-धूप से भरी ज़िदगी ने मनुष्य के जीवन में कई परिवर्तन किए हैं। आज लोगों के पास समय का अभाव है, इस व्यस्त जिंदगी में सब कुछ फास्ट हो गया है और इसी जल्दबाजी ने मनुष्य को भोजन की एक नई शैली के जाल में फंसा दिया है। इसे फास्ट फूड या जंक फूड कहते हैं। समय के साथ परिवर्तन होना स्वाभाविक है, लेकिन यह जरूरी नहीं है कि हर परिवर्तन सही हो। फास्ट फूड भी भोजन शैली में आया ऐसा परिवर्तन है जिसे अच्छा कतई नहीं कहा जा सकता। देश का भविष्य; बच्चे इसकी गिरफ्त में आकर अपना स्वास्थ्य खो रहे हैं।

चिकित्सकों और पोषण विशेषज्ञों के अनुसार फास्ट फूड खाने के आदि बच्चे ऐसी बीमारियों के शिकार हो रहे हैं जो बुढ़ापे की बीमारियाँ समझी जाती हैं। महानगरों के स्कूलों में पढ़ने वाले 60 फीसदी बच्चे सिर्फ फास्ट फूड पर चलते हैं, बल्कि यह कहना ज्यादा उचित होगा कि उन्हें फास्ट फूड का चस्का लगा हुआ है। नतीजा बड़ा ही खौफनाक है- फास्ट फूड ने अमेरिका में मोटापे को महामारी के स्तर तक फैला दिया है। भारत जैसे विकासशील देश में भी मोटापे की समस्या खतरनाक स्तर तक बढ़ चुकी है। पिछले तीन वर्षों में देश में मोटे बच्चों की संख्या में 24 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है। वर्तमान में देश के कुल बच्चों में से 16 प्रतिशत मोटापे से जूझ रहे हैं। जिस तरह से फास्ट फूड का प्रचलन बढ़ रहा है, उसे देखते हुए बच्चों का मोटापा घटना बड़ा मुश्किल है।

पिछले दिनों तक चौंकाने वाली खबर में पता चला कि मुंबई में 11 वर्षीय अनामिका (बदला हुआ नाम) का मोटापा कम करने के लिए उसकी बैरियाट्रिक सर्जरी करनी पड़ी। लंबे

इंतजार के बाद जन्मी अनामिका को उसके माता-पिता ने लाड़-प्यार के नाम पर ऐसे तमाम खाद्य-पदार्थ खिलाए, जिन्हें जंक फूड कहा जाता है। शारीरिक श्रम या खेलकूद से दूर रहने वाली वह छोटी बच्ची घर से स्कूल तक कार से जाती थी। नतीजा यह हुआ कि 11 साल की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते उसका वजन 96 किलोग्राम हो गया। स्कूल में बच्चे तो उसका मजाक बनाते ही थे, वह थोड़ा-सा चलने पर ही हाँफने भी लगती थी। मजबूरन, उसके माता-पिता को सर्जरी का फैसला लेना पड़ा। इतनी कम उम्र में किसी बच्चे की ऐसी सर्जरी के मामले कम ही सुनाई देते हैं। लेकिन ये मामले अब बढ़ने लगे हैं।

1. फास्ट फूड स्वास्थ्यवर्धक भोजन नहीं है, फिर भी बच्चों की सबसे पहली पसंद है। क्यों?
2. एक 11 वर्ष के बच्चे का वजन 96 किलोग्राम है। यदि उसका वजन लगातार हर महीने डेढ़ किलोग्राम बढ़ता है तो उसका भार 13 साल का होने पर कितना होगा?
3. फास्ट फूड का चलन अधिक होने का क्या कारण है?
4. आधुनिक समय में व्यायाम का हमारे जीवन में क्या महत्व है?
5. अनुराग अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में एक पार्टी देना चाहता हैं। वह सब को बर्गर खिलाना चाहता है, जो रूपए 25 का एक आता है। उसके कुल 21 मित्र हैं। घर के काम में सहायता देने वाली के दोनो बच्चों को भी बर्गर खिलाना चाहता है। घर के 6 सदस्यों के लिए भी खरीदना चाहता है। वह कुल कितने बर्गर लेगा और उसने दुकानदार को कितने पैसे दिए?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	विश्लेषण	तथ्यात्मक	कठिन
3	सृजन	व्याख्यात्मक	औसत
4	सृजन	तथ्यात्मक	औसत
5	विश्लेषण	तार्किक	कठिन

प्रतिमान 20

अनमोल अक्सर अपने पिताजी के साथ दूध लेने डेयरी पर जाया करता था।कभी साइकिल तो कभी स्कूटर पर। एक दिन पिताजी ने कहा , “आज, हम पैदल चलेंगे। अनमोल ने एकदम इंकार कर दिया। पिता जी के समझाने पर थोड़े ना -नुकुर के बाद वह तैयार हो गया। दोनों पिता-पुत्र डेयरी की ओर चल दिए। रास्ते में अनमोल ने देखा कि एक बिल्ली पेड़ पर बैठी हुई है और नीचे कुत्ता भोक रहा है। अनमोल ने पिताजी से पूछा , “बिल्ली पेड़ पर क्यों बैठी है।” तब पिताजी ने बताया , “कुत्ते से बचने के लिए , क्योंकि कुत्ता पेड़ पर नहीं चढ़ सकता। ” “अरे वाह! बिल्ली ने तो खूब अक्ल लगाई।” पिताजी कहते हैं, “अब जरा ध्यान से चलना। हमें सड़क पार करनी है। ” अनमोल ने कहा , “ जी पिताजी, मेरे विद्यालय में हमें सिखाया गया है कि सड़क पार करते समय दोनों तरफ ध्यान से देखकर सड़क पार करनी चाहिए।

दोनों ने सड़क पार की। डेयरी से दूध लिया और घर वापिस पहुंच गए। अनमोल ने बहुत उत्साहित होकर कहा,“मम्मी, आज का दिन बड़ा मजेदार रहा। मैंने , पहली बार कुत्ते के डर से पेड़ पर बैठी हुई बिल्ली देखी क्योकि कुत्ते पेड़ पर नहीं चढ़ सकते। यह बात मुझे आज ही पता चली। क्या आपको मालूम है कि आज मैं डेयरी तक पैदल ग या और पैदल ही वापिस आया हूँ। मुझे बहुत अच्छा लगा।” मम्मी ने कहा,“पैदल चलना तो स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा होता है। इस से पैसों की बचत होती है और प्रदूषण भी नहीं होता , शोर भी नहीं होता।” अनमोल ने कहा, “अब तो मैं रोज पैदल ही जाऊंगा।”

1. इस कहानी से हमें क्या सीख मिलती है?

क) सब तरफ प्रदूषण है। ख) बिल्ली कुत्ते से डरती है।

ग) दूध डेयरी से लेना चाहिए। घ) पैदल चलना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।

2. सड़क किस प्रकार पार करनी चाहिए?

क) धीरे-धीरे ख) दौड़कर

ग) आँखे मूँद कर घ) दोनों तरफ देखकर

3. अनमोल अपने घर से दूध की डेयरी जाता है। घर से निकलते समय उसका मुँह पूर्व दिशा की ओर था। 100 मीटर चलने के बाद वह अपने दाएं ओर मुड़ा और आगे चलकर फिर से दाएं मुड़ गया, 50 मीटर चलने के बाद वह बाँई ओर मुड़ गया। सामने ही डेयरी थी। बताओ , अब अनमोल किस दिशा की ओर देख रहा है?

क) उत्तर ख) पूर्व ग) दक्षिण घ) पश्चिम

4. अनमोल के पिताजी रोज 3 लीटर दूध खरीदते है। आज उन्होंने 3½ लीटर दूध खरीदा और दुकानदार को रु 203 दिए। बताए, प्रति लीटर दूध का भाव क्या है?

क) 57 ख) 58 ग) 59 घ) 60

5. अनमोल की मम्मी ने बताया था कि पैदल चलना स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है। कैसे?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	विश्लेषण	बहुविकल्पीय	सरल
2	अनुप्रयोग	बहुविकल्पीय	सरल
3	अनुप्रयोग	तार्किक	कठिन
4	विवेचन	तार्किक	औसत
5	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	औसत

प्रतिमान 21

अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति की बदौलत मैरीकॉम ने बेहद सम्मान प्राप्त किया। जिसे पाने के लिए लोगों को कई जन्म लेने पड़ते हैं। यह सफलता केवल मैरी कॉम की ही नहीं, वरन भारत की समस्त माताओं और बहनों की है, जो देश के लिए कुछ करने की चाहत रखती हैं।मैरी कॉम ने अपने संघर्ष और तत्पश्चात अर्जित सफलता से भारतीय महिलाओं के समक्ष देश के लिए कुछ कर गुज़रने का एक जीता-जागता उदाहरण पेश किया है। उत्तर-पूर्व स्थित सात राज्य - मेघालय, मणिपुर, मिज़ोरम, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा और असम अपने प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ सप्त भगिनी राज्य के रूप में जाने जाते हैं। इन्हीं में से एक है मणिपुर। इस राज्य की मिट्टी में जन्म लेने वाली एम०सी० मैरीकॉम ने बॉक्सिंग के विश्व ख़िताब जीतने के बाद पूरे देश का गौरव बढ़ाया। पाँच बार की इस विश्व महिला बॉक्सिंग चैंपियन का पूरा नाम है- मंगते चुंगनिजंग मैरी कॉम। 1 मार्च,1983 को मणिपुर के सामूलामलन गाँव के एक निर्धन परिवार में जन्म लेने वाली मैरी कॉम की बॉक्सिंग चैंपियन बनने तक की यात्रा मुश्किलों से भरी किंतु अत्यंत रोचक है। मैरी की प्रारंभिक शिक्षा मणिपुर के मोइरंग स्थित लोकटक क्रिश्चियन मॉडल स्कूल और सेंटर ज़ेवियर स्कूल में हुई। किंतु मैरी की दिलचस्पी पढ़ाई-लिखाई में कम और एथलेटिक्स विशेषकर बॉक्सिंग में अधिक थी। एच०एस०एल०सी की परीक्षा में असफल होने के बाद मैरी ने अपना पूरा ध्यान बॉक्सिंग में लगा दिया। उसकी प्रतिभावान लगन को देखते हुए तीन प्रशिक्षकों इबो माचा, नर जीत सिंह और किशन सिंह ने उसे प्रशिक्षण देना आरंभ कर दिया। मणिपुर में इंडियन ओलंपिक

एसोसिएशन के अधिकारी खोइबी सलाम ने उन्हें प्रोत्साहित किया। मैरी ने अपनी लगन, निष्ठा और परिश्रम से बॉक्सिंग में महारत हासिल की और अपने प्रशिक्षकों की कसौटी पर खरी उतरीं। सन 2000 में राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता जीतने के बाद मैरीकॉम ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने ताइवान में आयोजित थर्ड एशियन चैंपियनशिप, तुर्की में आयोजित 'वुमन्स वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप' जीती। हंगरी व नार्वे में आयोजित प्रतियोगिताओं में भी उन्होंने जीत दर्ज की। ये सभी सफलताएं उनके लिए मानो कोई छुपा हुआ ख़ज़ाना मिल जाने के समान थीं। अत्यधिक निर्धन परिवार में जन्मी इस लड़की ने अपना बचपन मूलभूत सुविधाओं के अभाव में और पेट भरने की ख़ातिर संघर्ष में बिताया था। मॉस्को में 2009 में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला मुक्क़ेबाज़ी प्रतियोगिता में 46 किलोग्राम वज़न की श्रेणी में जीत हासिल करने के बाद मैरी खेल क्षेत्र की जानी पहचानी शख़्सियत बन गई। मैरी अर्जुन अवार्ड (2004), पद्म श्री (2006), राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार (2009), और पद्मभूषण (2013) से सम्मानित भारत की प्रथम महिला बॉक्सर हैं। लंदन ओलंपिक (2012) में मैरीकॉम को अपने भार वर्ग में कांस्य पदक प्राप्त हुआ। मैरी कॉम को 2016 में राज्य सभा का सदस्य मनोनीत किया गया है। मैरी का मानना है कि जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण का एक विशेष महत्व होता है, जिसे उन्होंने कभी नहीं छोड़ा। मैरीकॉम के जीवन पर एक फ़िल्म का सफल निर्माण भी हो चुका है। मैरी महिला खिलाड़ियों के साथ-साथ उन भारतीय महिलाओं के लिए भी एक आदर्श और जीवंत उदाहरण बन गई हैं, जो माँ बनने के बाद अपने आपको गृहस्थी तक सीमित कर लेती हैं। वे मणिपुर ही नहीं अपितु पूरे भारत में युवा एवं प्रतिभावान युवतियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

1. मैरी कॉम की सफलता किन लोगों के लिए आदर्श स्थापित करती है?
2. उत्तर-पूर्व में स्थित सात राज्य किस नाम से जाने जाते हैं?
3. मैरी कॉम को किन-किन पुरस्कारों से सम्मानित किया गया?
4. वर्तमान समय में भारत के कितने राज्य और केन्द्र शासित प्रदेश है?

5. मैरी कॉम के जन्म के वर्ष तथा राज्य सभा के सदस्य मनोनीत होने वाले वर्ष के मध्य अंतर बताइए।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	व्याख्यात्मक	औसत
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	व्याख्यात्मक	सरल
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	वर्णनात्मक	सरल
4	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	सरल
5	विश्लेषण	तार्किक	औसत

प्रतिमान 22

वेंकट नाम का एक ब्राह्मण था। उसने बड़ी मेहनत से एक हजार स्वर्ण मुद्राएं इकट्ठी की थी। उसने चार धाम पर जाने की सोची, परंतु स्वर्ण मुद्राएं कहाँ रखें? यह प्रश्न उसके सामने था। वेंकट राघव सेठ के पास गया। उसने सेठ से स्वर्ण मुद्राएं रखने की बात की। सेठ मान गया। वेंकट एक हजार स्वर्ण मुद्राएं राघव सेठ के पास रख कर निश्चिंत होकर तीर्थ यात्रा पर चला गया। राघव सेठ भलामानुष नहीं था। उसने सिली हुई थाली को खोलकर देखा। उसमें एक हजार स्वर्ण मुद्राएं थी। उसकी आँखें खुली की खुली रह गई। घर में आया माल वापस चला जाए, यह राघव का उसूल नहीं था। उसने स्वर्ण मुद्राएं हज़म कर जाने का निश्चय किया। जब वेंकट यात्रा से लौटा तो सीधा राघव सेठ के पास गया। राघव सेठ ने उसे उसकी थैली ज्यों की त्यों ही वापस कर दी; पर घर जाकर जब वेंकट ने थैली खोली तो उसमें स्वर्ण मुद्राओं के स्थान पर लोहे के सिक्के देखकर हैरान हो गया। वह उल्टे पाँव भागा। सेठ ने उसे डाँट दिया और एक हजार स्वर्ण मुद्राएं ठगने का आरोप लगाकर वेंकट को भगा दिया। वेंकट राजा कृष्णदेव राय के पास गया। राजा ने सारी कहानी सुनी। राजा ने तेनालीराम को न्याय करने के लिए कहा।तेनालीराम ने राज्य के सभी दर्जियों को बुलवाया और उनको थैली सिलने के लिए कहा। जिस की थैली बिल्कुल ठीक होगी उसे एक सौ स्वर्ण मुद्राएं पुरस्कार देने को भी कहा है। सब दर्जियों ने थैलियाँ सिली। एक दर्जी की थैली बिल्कुल वेंकट की थैली के समान थी।दोनों में कोई अंतर न था। तेनालीराम ने समान थैली सिलने वाले दर्जी को बुलवाया और पूछा," क्या तुमने पहले भी कभी ऐसी थैली सिली है। तब दर्जी ने कहा,"कुछ समय पहले राघव सेठ के लिए ऐसी थैली सिली थी।" तेनालीराम ने उसी समय राघव सेठ को बुलवाया और वेंकट की एक हजार स्वण मुद्राओं के बारे में पूछा तो राघव सेठ ने साफ इंकार कर दिया। जब दर्जी को सामने लाया गया तो उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। तेनालीराम ने राघव सेठ को एक हजार स्वर्ण

मुद्राएं वेंकट को वापस देने, झूठ बोलने के अपराध के कारण चार सौ स्वर्ण मुद्राएं राज्य कोष में जमा करवाने और एक सौ स्वण मुद्राएं दर्जी को देने के लिए कहा।

1. चार धाम की यात्रा से क्या भाव है। ब्राह्मण चार धाम की यात्रा पर क्यों जाना चाहता था?
2. वर्तमान समय में स्वर्ण मुद्राएं तो नहीं है पर जो सिक्के प्रचलन में है, वह मुख्य रूप से किस धातु से बनते हैं?
3. ब्राह्मण के पास जो स्वर्ण मुद्राएं थीं उनमें एक मुद्रा का मूल्य ₹265 था तो बताओ सेठ राघव को जुर्माने के रूप में कुल कितनी मुद्राएँ देनी पड़ी और उनका मूल्य कितना था?
4. आपको 12 ग्राम की सोने की माला बनवानी है। प्रति ग्राम सोने का मूल्य 3721 रुपए है। आपने सुनार को ₹50,000 दिए तो वह आपको कितने रुपए वापस करेगा?
5. सेठ राघव ने ब्राह्मण को धोखा दिया, यह भ्रष्टाचार रुपी विसंगति है। आपके विचारानुसार भ्रष्टाचार हमारे देश के विकास में किस प्रकार बाधक है?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	व्याख्यात्मक	कठिन
2	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	कठिन
3	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
5	व्यापक समझ	व्याख्यात्मक	औसत

प्रतिमान 23

एक दिन राजा कृष्णदेव राय कुछ दरबारियों के साथ घूमने निकले। राजधानी के बाजारों और मंदिरों के सामने भिखारियों की भारी भीड़ थी। यह देख राजा बहुत चिंतित हुए। उन्होंने आकर दरबारियों से पूछा, तो वे बोले - महाराज! विजय नगर में भिखारियों की संख्या काफी बढ़ती जा रही है। क्या हमारी शासन व्यवस्था ठीक से नहीं चल रही ? भला इतने लोगों को भीख क्यों मांगनी पड़ रही है? सुनकर सब चुप हो गए किसी की समझ में नहीं आया कि इस सवाल का क्या जवाब दिया जाए। कुछ देर बाद राजा ने तेनालीरामन को बुलाकर कहा- तेनालीरामन, जरा पता करना कि हमारे राज्य में भिखारियों की संख्या बढ़ती क्यों जा रही है? तेनाली रामन बोला - महाराज, इसके लिए मुझे सात दिन की छुट्टी चाहिए। मैं आपके सवाल का जवाब ढूंढ लूँगा। तेनालीरामन की बात सुनकर राजा हंस पड़े बोले - ठीक है, पर सात दिन के अंदर मेरे सवाल का जवाब मिल जाना चाहिए। एक-एक करके छह दिन बीत गए राजा को उत्सुकता थी कि भला तेनालीरामन क्या कर रहा होगा? उन्होंने दरबारियों से पूछा तो सभी मुंह फेर कर हंसने लगे। आखिर पुरोहित ने कहा - महाराज ! वाकई तेनाली रामन भीख मांग रहा था, हमने खुद अपनी आंखों से उसे भीख मांगते देखा है, अब तो उसे राजदरबार की प्रतिष्ठा की भी परवाह नहीं रही। राजा को क्रोध आ गया - अच्छा! तो अब तेनालीरामन ने भीख मांगना भी शुरू कर दिया? उन्होंने सभी भिखारियों को दरबार में उपस्थित होने का आदेश दे दिया। राजा के पूछने पर उनमें से आगे वाला भिखारी बोला - महाराज, भीख मांगकर पहले ही मुश्किल से गुजारा होता था, ऊपर से उसमें से न जाने किस-किस का हिस्सा! राजा ने पूछा - हिस्सा? इसका क्या मतलब है? भिखारी बोला- इसका उत्तर हम नहीं, राज्य का सबसे बड़ा भिखारी दे सकता है। जो हम सब से भीख मंगवाता है। कौन है सबसे बड़ा भिखारी ? राजा ने चिल्लाकर कहा। भिखारी बोला- यह मंत्री जी बताएंगे। मंत्री बोला - महाराज यह भिखारी पता नहीं क्या

उल्टा-सीधा बोल रहा है। आप इसकी बात मत सुनिए। मंत्री आगबबूला होकर बोला। एक अन्य भिखारी बोला- ठीक है महाराज! आप उस भिखारी की बात चाहे मत सुनिए पर मेरी बात तो आपको माननी पड़ेगी। कहते-कहते भिखारी के वेश में आए तेनालीरामन ने अपना चोगा उतार फेंका। महाराज हैरान हो उठे। अब तेनाली रामन बोला- महाराज! इनके बीच रहकर मैंने सबसे बड़े भिखारी को खोज निकाला है। मंत्री जी बताएंगे, उन्होंने उसे कहां छुपा दिया है? वरना.....! सुनकर मंत्री जी के चेहरे की हवाइयां उड़ने लगीं। उसने मान लिया कि उसका दूर का रिश्तेदार रघुराज ही सब भिखारियों से भीख मंगवा है और भीख का हिस्सा रघुराज और मंत्री आपस में बांट लेते हैं। महाराज की ओर से रघुराज को तुरंत गिरफ्तार करने का आदेश हुआ। मंत्री को कड़ी फटकार और सजा का ऐलान हुआ। उसने आगे से गलत लोगों का साथ ना देने की कसमें खाईं। हर कोई तेनाली रामन की प्रशंसा कर रहा था। धीरे धीरे राज्य से सब भिखारी गायब होते चले गए।

1. तेनाली रामन किस राजा के दरबार में कार्यरत थे ?
2. तेनाली रामन 7 दिन भिखारियों के बीच क्यों रहना चाहते थे?
3. यदि एक मंदिर के सामने बैठा एक भिखारी लगभग ₹150 एक दिन में कमा लेता है तो ऐसे 17 मंदिरों के बाहर बैठे 12-12 भिखारी कुल कितने रुपए कमा लेते होंगे?
4. क्या बच्चों से भीख मंगवाना सही है? सरकार को इसके लिए क्या कदम उठाने चाहिए?
5. क्या आपको भी ऐसा लगता है कि भिखारियों से भीख मंगवाने के पीछे धूर्त लोग होते हैं, जो इस तरह के गिरोह चलाते हैं। अपने तथ्य की पुष्टि करें।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
2	विश्लेषण	तार्किक	औसत
3	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
4	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
5	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत

प्रतिमान 24

एक दिन राह चलते हुए गाँव और शहर आपस में टकरा गए।दोनों को अपनी-अपनी खूबियों पर गर्व था। इस लिए दोनों में भेंट होते ही बहस छिड़ गई। प्रारम्भ में दोनों के बीच तकरार हुई लेकिन अंत सुखद रहा। आइए दोनों का वार्तालाप सुनें।

गाँव :- कहो भाई शहर! बहुत सीना तान कर चल रहे हो। क्या बात है?

शहर :- तो क्या अपनी शेखी बघारने से तुम मेरे बराबर हो जाओगे? तुम्हें क्या पता कि शहर में रहने वालों का जीवन कितना सुखमय, सुविधा संपन्न और आमोद-प्रमोद से पूर्ण होता है। गांवों को अब गाँव वाले ही नहीं पूछते। सब मेरी ओर भाग रहे हैं।

गाँव :- भाई, तुम तो जानते ही हो कि भारत गाँवों का देश है ।अब यह भी जान लो वो कि गाँव अब पहले के गाँव नहीं रहे। इनका रूप तेज़ी से बदल रहा है। गाँव के निवासियों की जीवनशैली में भी परिवर्तन आ रहा है ।

शहर :- हाँ ,बहुत परिवर्तन आ रहा है। गाँव के लोग अब भी पिछड़े हुए हैं। न उनके पास विचार है और न ही उन्नति की नई योजनाएं।

गाँव :- अरे भाई! देश को एक से बढ़कर एक कवि, लेखक, कलाकार, सामाजिक नेता, देशभक्त, समाज-सेवक गाँव ने ही दिए हैं । गाँव के लोक-नर्तक और लोक-गायक भारत की संस्कृति की पताका विदेशों में फहरा रहे हैं और तुम हो कि गाँव को पिछड़ा हुआ कहते हो। तुम्हारे ये एक गगनचुम्बी भवन उन्हीं के अनपढ़ हाथों से बनाए गए हैं। खदानों से खनिज सम्पदा उन्होंने ही निकाली है। तुम्हारे कल-कारख़ाने उन्हीं के बलबूते चल रहे हैं। तुम्हारी सड़कों पर बसें भी वे ही चला आ रहे हैं। पुलिस और सेना उन्हीं के बल पर देश की आंतरिक

और बाह्य सुरक्षा की बागडोर संभाले हुए हैं। न भाई न, इतने कृतघ्न न बनो। वैसे दशा गाँव की भी सुधर रही है। इस से हम दोनों के बीच का अंतर घटता जा रहा है।

शहर :- सच्चाई तो यह है कि बहुत समय पहले मैं भी एक छोटा सा गाँव था और धीरे-धीरे बढ़ने से आज मेरा यह रूप बन गया है। हम दोनों की प्रगति से ही राष्ट्रीय विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। मेरी उन्नति तुम्हारी उन्नति से जुड़ी हुई है। वैसे भी तुम मेरे बड़े भाई हो।

गाँव :- ये हुई न बात! भैया, हम दोनों सदा से एक दूसरे के पूरक रहे हैं।मेरी परिश्रमशीलता बनी रहे और तुम्हारी कार्यकुशलता और वैज्ञानिक दृष्टि। तुम भी बने रहो और मैं भी बना रहूँ। जियो और जीने दो-यही तो समाजवाद है। सर्वे भवन्तु सुखिनः। अच्छा भाई,मैं तो चला खेतों की सैर करने और तुम संभालो अपने कारखानों को। बस, एक अंतिम प्रार्थना है कि पश्चिम की चटक मटक की नक़ल में भटक मत जाना और प्रगति की चकाचौंध में मुझे भूल मत जाना। याद रखना कि भारत की आत्मा गाँवों में ही निवास करती है।

1. समाजवाद से आप क्या समझते हैं?

क)निजी विकास ख) सबका विकास

ग) एक दूसरे में प्रतिस्पर्धा घ) केवल संस्कृति का विकास.

2. सामाजिक दृष्टि से गाँवों ने हमें क्या-क्या दिया है?

3. शहरों में गगनचुम्बी इमारतें होती हैं। मान लो, ऐसी इमारत जो आठ मंज़िला है, उसकी एक मंज़िल से दूसरी मंज़िल तक जाने के लिए 13 सीढ़ियों का प्रयोग होता है। पाँचवी मंज़िल पर जाने के लिए कुल कितनी सीढ़ियों का प्रयोग होगा?

4. ग्रामीण अधिकतर साइकिल का प्रयोग करते हैं, शहरी मोटर वाहनों का । मान लो एक ग्रामीण ने 4000 रुपये में साइकिल ख़रीदी। दूसरी ओर शहरवासी ने 48,000 रूपये की मोटरसाइकिल। मोटरबाइक साइकिल से कितनी रुपये मंहगी है?

5. भावनात्मक दृष्टि से गाँव व शहरी जीवन में क्या अंतर है? अपने विचार लिखें।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	रचनात्मक	औसत
3	विश्लेषण	तार्किक	सरल
4	विश्लेषण	तार्किक	सरल
5	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत

प्रतिमान 25

केन्द्र सरकार द्वारा नया मोटर वाहन (संशोधन) अधिनियम 2019 दिनांक 09.08.2019 को पारित किया गया जिसके मुख्य प्रावधान निम्न है।

1. सड़क दुर्घटना में पीड़ितों को मुआवजा :-
   - मृत्यु की स्थिति में 25000 रुपये से बढ़ाकर 2 लाख रुपये
   - गम्भीर चोट की स्थिति में 25000 रुपये से बढ़ाकर 50000 रुपये
2. गुड समेरिटन (नेक व्यक्ति) :- वह व्यक्ति जो दुर्घटना के समय पीड़ित को आपातकालीन मेडीकल व नॉन मेडीकल मदद देता है। अगर सहायता प्रदान करने में दुर्घटना के शिकार व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है तो गुड समेरिटन किसी भी दीवानी व आपराधिक कार्यवाही के लिए उत्तरदायी नहीं होगा।
3. अपराध व जुर्माने का प्रावधान :-

अपराध	जुर्माना पूर्व में (रूपये में)	नया जुर्माना (रूपये में)
सीट बेल्ट नहीं पहनने पर	300/-	1000/-
दोपहिया वाहन पर दो से ज्यादा सवारी	100/-	1000/-
हेलमेट नहीं पहनने पर	200/-	1000/- व 3 माह के लिए लाईसेंस निलम्बित
इमरजेन्सी वाहन (एम्बुलेन्स) को रास्ता नहीं देने पर	00/-	10000/-
बिना ड्राइविंग लाईसेंस के ड्राईविंग करने पर	500/-	5000/-
लाईसेंस रद्द होने के बावजूद ड्राईविंग करने पर	500/-	10000/-
ओवर स्पीड	400/-	2000/-
खतरनाक ड्राईविंग करने पर	1000/-	5000/-
शराब पीकर वाहन चलाने पर	2000/-	10000/-
ड्राइविंग के दौरान मोबाईल से बात करने पर	1000/-	5000/-
बिना परमिट पाये जाने पर	5000/-	10000/-
गाड़ियों की ओवरलोडिंग पर	2000/- और उसके बाद प्रति टन 1000/-	2000/- और उसके बाद प्रति टन 2000/-
बिना इंश्योरेन्स के गाड़ी चलाने पर	1000/-	2000/-
नाबालिग द्वारा वाहन चलाने पर	00/-	25000/- और 03 साल की सजा, वाहन का रजिस्ट्रेशन रद्द और गाड़ी के मालिक व नाबालिग के अभिभावक दोषी माने जाएंगे, नाबालिग को 25 साल की उम्र तक लाईसेंस नहीं

नोट : मोटर वाहन (संशोधन) अधिनियम 2019 द्वारा सड़क सुरक्षा हेतु कठोर प्रावधान किए गए है, अतः आमजन से अपेक्षा की जाती है कि वे नए नियमों के बारे में जानकर ट्रैफिकनियमों का पालन करें ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। जिला पुलिस करौली सड़क सुरक्षा हेतु कटिबद्ध है।

उक्त जुर्माना राशि 1 सितम्बर 2019 से लागू होगी।

1. नया मोटर वाहन संशोधन अधिनियम किस दिनांक को पारित किया गया तथा कब से लागू हुआ?
2. यदि कार की पहली सीट के दोनों व्यक्तियों ने सीट बेल्ट नहीं पहनी है, गाड़ी ओवरस्पीड है, ड्राइवर नशे में गाड़ी चला रहा है तो कुल कितने रुपये का चालान कटेगा?
3. नए मोटर वाहन संशोधन एक्ट के अनुसार पहले पाँच अपराध करने पर कुल जुर्माना राशि (रुपयों) में कितनी होगी?
4. सड़क दुर्घटना में गंभीर चोट की स्थिति में मुआवज़ा कितने गुणा बढ़ा दिया गया है?

5. आम जनता को ट्रैफ़िक नियमों का पालन क्यों करना चाहिए?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
2	सूचना की पुनः प्राप्ति	तार्किक	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
4	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
5	व्यापक समझ	वर्णनात्मक	सरल

प्रतिमान 26

निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए उपयुक्त शब्द वर्ग पहेली में से ढूँढकर लिखिए:

क	ल	ख	ग	व	व्या	स	प	घ
ड	ब	च	व	र्ग	च	प	रि	धि
ज	झ	घ	न	सं	ख्या	ट	मा	क्षे
ठ	घू	अं	लं	ख्या	ढ	वृ	प	त्र
च	र्ण	क	ब	आ	या	त	त	फ
र्तु	न	ग	त्रि	भु	ज	थ	द	ल
भु	ध	णि	ज्या	मि	त्ति	न	प	फ
ज	ब	त	भ	स	म	बा	हू	म

ऊपर से नीचे

1 एक संख्या को स्वयं से दो बार गुणा करने पर प्राप्त संख्या _____

2 जिसकी चारों भुजाएं बराबर हो: _____

3 एक निश्चित बिंदु से समान दूरी पर स्थित बिंदुओं का बिंदुपथ: _____

4 बंद आकृति के चारों ओर की माप: _____

5 दो प्रतिच्छेदी रेखाएं: _____

6 घड़ी की सुई का एक पूरा चक्कर: _____

7 बंद आकृति द्वारा घेरा गया तल: _____

8 संख्याओं का अध्ययन: _____

9 वृत्त के केंद्र से परिधि तक खींची गई रेखा: _____

बाएँ से दाएँ

1 एक संख्या को स्वयं से तीन बार गुणा करने पर प्राप्त संख्या: _____

2 जिसकी आमने सामने की भुजा बराबर हो: _____

3 वृत्त का घेरा: _____

4 चार भुजाओं से बनी आकृति: _____

5 वृत को दो बराबर भागों में बांटने वाली रेखा: _____

6 आकृति एवं आकारों का अध्ययन: _____

7 एक त्रिभुज जिसकी प्रत्येक भुजा की माप समान हो: _____

8 तीन भुजाओ से बनी आकृति: _____

दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
विश्लेषण / व्यापक समझ / सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक तार्किक	कठिन

प्रतिमान 27

जंगल हमें ऐसे बचाते हैं...

बाढ़ को रोकते हैं: पेड़ 10% घटे तो बाढ़ का खतरा 28% ज्यादा

आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन के मुताबिक देश में जिन राज्यों में जंगल कम हैं या हो रहे हैं वहां बाढ़ से ज्यादा नुकसान हुआ। वहीं नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के 56 देशों के आकंड़ों के अध्ययन में भी यही बात सामने आई। इसके मुताबिक जिन देशों में प्राकृतिक जंगलों का क्षेत्र 10 फीसदी तक कम हुआ, वहां बाढ़ की आशंका 4 से 28 फीसदी तक बढ़ गई।

बीमारियों से बचाते हैं: अस्थमा की आशंका 33% कम करते हैं 343 पेड़

यूके में हुए एक अध्ययन के मुताबिक एक वर्ग किमी में 343 पेड़ लगाने पर बच्चों में अस्थमा की आशंका 33% तक कम हो जाती है। इसी तरह जंगल बीमारी फैलाने वाले जीवों, खासतौर पर मच्छरों को रिहायशी इलाकों में आने से रोकते हैं। उदाहरण के लिए 90 के दशक में पेरू में सड़कों के लिए जंगल कटे। इससे वहां मलेरिया मरीजों की संख्या 600 से बढ़कर 1.2 लाख सालाना हो गई।

दवाएं देते हैं: दुनिया में 50 हजार से ज्यादा प्रकार के पौधे दवाओं वाले

अमेरिका के फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक दुनिया में पेड़-पौधों की करीब 50 हजार ऐसी प्रजातियां हैं जिनसे दवाइयां बना सकते हैं। चीन के बाद सबसे ज्यादा ऐसी किस्में भारत में हैं। चीन में 4900 और भारत में 3000 पौधे ऐसे हैं जिन्हें दवाओं के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। सिर्फ अमेरिका में ही हर चार में से एक दवा में जंगली पौधों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

सालाना 36000 जानें बच सकती हैं: खराब पर्यावरण से बचाते हैं

पर्यावरण के क्षेत्र में काम करने वाले संस्थान नेचर कंजर्वेंसी के एक अध्ययन के मुताबिक शहरों में अगर ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं तो खराब पर्यावरण से होने वाली मौतों को 9 फीसदी तक कम किया जा सकता है और हर साल 36,000 लोगों की जान बचाई जा सकती है। एक अन्य अध्ययन बताता है कि एक पेड़ सालभर में 20 किग्रा तक धूल सोखता है।

1. पेड़ कम होने से बाढ़ का खतरा क्यों बढ़ जाता है?

2. अस्थमा क्या है? इसकी रोकथाम के क्या उपाय हैं?

3. यदि 8 व्यक्ति अपने पूरे जीवन में 25 पेड़ लगाते हैं और वहीं पाँच व्यक्ति अपने जीवन में 28 पेड़ काट देते हैं। शेष पेड़ों की संख्या बताइए?

4. विश्व भर में दवाइयों वाले पौधों की कुल कितनी प्रजातियाँ हैं और भारत में कितने प्रकार की प्रजातियाँ मिलती है?

5. एक अध्ययन के अनुसार एक पेड़ साल भर में 20 किलोग्राम तक धूल सोखता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए दिल्ली में 450 पेड़ लगाए गए। यह पेड़ साल भर में कुल कितनी धूल सोखगें?

क) 450 किलोग्राम

ख) 900 किलोग्राम

ग) 9000 किलोग्राम

घ) 4500 किलोग्राम

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	कठिन
2	विश्लेषण	तार्किक	कठिन
3	अनुप्रयोग	तार्किक	औसत
4	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	सरल
5	अनुप्रयोग	बहुविकल्पीय	औसत

प्रतिमान 28

नेपाल में पर्यटकों और पर्वतारोहियों का तांता लगे रहने की बड़ी वजह हिमालय की पर्वत श्रंखला है। इसी पर्वत श्रंखला में एक रहस्य छुपा हुआ है, जिसे हाल में खोजा गया। आओ जाने, सबसे ऊंची झील के नए रिकॉर्ड के बारे में :-

एक नई खोज सामने आई है और अगर इस नई खोज को मान्यता मिल जाती है, तो दुनिया को सबसे ऊंची एक नई झील मिलेगी। जी हां, नेपाल में कुछ महीने पहले पर्वतारोहियों के एक दल ने इस झील को खोजा, जिसके बारे में अब तक दुनिया को पता ही नहीं था। हिमालय की पर्वत चोटियों पर चढ़ाई करने वाली एक टीम ने इस झील को खोजा, तो पाया गया कि अब तक सबसे ऊंची झील तिलिचो के मुकाबले ये झील ज़्यादा ऊंचाई पर स्थित है। चेम ग्रामीण नगरपालिका के सिंगारखड़का की सीमा में मिली। इस नई झील को 'काजिन सारा' के नाम से जाना जा रहा है। नेपाल के पोखरा शहर से 55 किलोमीटर दूर मनांग ज़िले में स्थित 'तिलिचो झील' दुनिया की सबसे ऊंची झील मानी जाती है। समुद्र तल से इसकी ऊंचाई 4919 मीटर या 16138 फीट है। तकरीबन 85 मीटर गहरी ये झील 4.8 वर्ग किलोमीटर के दायरे में फैली हुई है। अब अगर नई खोज को मान्यता मिल जाती है तो तिलिचो झील सबसे ज़्यादा ऊंचाई पर स्थित झील नहीं रहेगी, बल्कि काजिन सारा झील के नाम ये रिकॉर्ड दर्ज होगा।

हिमालय की अन्नपूर्णा रेंज की पहाड़ियों के बीच तिलिचो झील को इस आकार की दुनिया की सबसे ऊंची झील का दर्जा प्राप्त है। हालांकि इससे भी ज़्यादा ऊंचाई पर नेपाल और तिब्बत में कुछ झीलें स्थित हैं, लेकिन असल में, ये झीलें इतनी छोटी हैं कि इन्हें झील का दर्जा नहीं दिया जा सकता। दूसरी ओर, तिलिचो झील की लंबाई 4 किमी और चौड़ाई करीब 1.2 किमी है इसलिए इसे झील समझा जाता है। अन्नपूर्णा रेंज में होने वाले ट्रैक के दौरान तिलिचो झील तक

पहुंचने के लिए करीब एक दिन की चढ़ाई करनी होती है और केवल इसके किनारे से कुछ दूर तक ही पहुंचा जा सकता है। यहां कैंपिंग या लॉजिंग जैसी सुविधाएं नहीं हैं और इस झील से मनांग के बीच में किसी किस्म की रुकने की व्यवस्था नहीं है। फिलहाल इस झील तक पहुंचने के लिए थोरोंग ला पास का रास्ता है लेकिन यह रास्ता लंबा होने के कारण, उत्तरी दिशा की तरफ एक और रास्ता कुछ समय से लोकप्रिय हो रहा है।

तिलिचो झील की और भी खूबियां हैं, जिनमें एक है कि ये दुनिया की सबसे ऊंची स्कूबा डाइविंग साइट्स में शुमार है। साल 2000 में एक रूसी टीम ने यहां स्कूबा डाइविंग का आयोजन किया था, लेकिन इस तरह के एडवेंचर काफी खतरनाक माने जाते हैं। तिलिचो की दूसरी खूबी ये है कि ये एकदम फ्रेश पानी की झील है और नेपाल के हाइड्रोलॉजी व मीट्रियोलॉजी विभाग के मुताबिक़ इस झील में कोई जलीय जीवन मौजूद नहीं है।

इससे जुड़ी धार्मिक मान्यता भी है। हिंदू मानते हैं कि तिलिचो झील वही झील है, जिसका रामायण में काक भुषुंडि झील के तौर पर वर्णन है। काक भुषुंडि के बारे में मान्यता है कि उन्होंने ही सबसे पहले रामायण की कथा पक्षीराज गरुड़ को इसी झील के किनारे सुनाई थी। पक्षीराज को यह कथा सुनाने के लिए ऋषि काक भुषुंडि ने कौवे का रूप धारण किया था। यही रूप लेने के कारण ऋषि भुषुंडि का नाम काक भुषुंडि प्रचलित हुआ।

हिमालयन टाइम्स ने हाल में यह रिपोर्ट जारी की कि कुछ पर्वतारोहियों ने जिस काजिन सारा झील को खोजा था, उसका मापन किया गया है और पाया गया है कि यह झील समुद्र तल से 5200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है; यानी तिलिचो से ज़्यादा ऊंचाई पर। लेकिन, अभी इस मापन या अध्ययन का सत्यापन होना बाकी है। ये भी पाया गया है कि यह झील डेढ़ किलोमीटर लंबी और करीब 600 मीटर चौड़ी है यानी इसे झील का दर्जा दिया जा सकता है।

अगर इसका सत्यापन हो गया तो 5000 मीटर से ज़्यादा की ऊंचाई पर स्थित यह दुनिया की इकलौती झील मानी जाएगी।

1. प्रामाणिक तौर पर दुनिया की सबसे ऊंची झील कौन-सी है? इस की समुद्र तल से कितनी ऊंचाई है ?

2. संसार में सबसे लंबी नदी कौन-सी है?

3. पर्वतारोही कौन होते हैं?

4. काजिन सारा झील यदि सबसे ऊंची झील मान ली जाए, तो उसकी ऊंचाई समुद्र-तल से कितनी होगी?

5. आपके दृष्टिकोण से झील में पानी कहाँ से आता होगा?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
2	व्यापक समझ	तार्किक	औसत
3	विवेचन	तथ्यात्मक	सरल
4	विश्लेषण	तुलनात्मक	औसत
5	विश्लेषण	तार्किक	कठिन

प्रतिमान 29

1. दी गई जानकारी के अनुसार सेहत के लिए क्या अच्छा है?

2. लंबी उम्र के लिए हफ्ते में 75 मिनट पैदल चलना चाहिए। प्रतिदिन के हिसाब से कितने मिनट चलना होगा?

3. याद्दाश्त तेज करने का क्या उपाय बताया गया है?

4. सौरभ हर दिन 3500 कदम चलता है। यदि वह प्रत्येक रविवार घर से बाहर नहीं जाता , तो महीने में वह कितने कदम चलता होगा?

5. कहते हैं 'अच्छे स्वास्थ्य का आनंद लेने के लिए आपको हर रोज सैर करनी चाहिए। ' आपके विचार से यह कथ्य कितना तर्कसंगत है?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	विवेचन	तार्किक	सरल
2	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तुलनात्मक	औसत
5	सृजन	तार्किक	कठिन

प्रतिमान 30

समय के साथ लोगों के शॉपिंग कल्चर में बदलाव आया है। जहाँ पहले लोग विंडो शापिंग करना पसंद करते थे, वहीं अब ज्यादातर लोग ऑनलाइन शॉपिंग पर निर्भर हो गए हैं। ऐसा सिर्फ कपड़ों की शॉपिंग के साथ ही नहीं हैं बल्कि राशन, फुटवेयर, स्मार्टफोन, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट आदि के साथ भी है। आजकल लोगों की जिंदगी इतनी तेज हो चुकी है जिसमें शॉपिंग करने का वक्त रह ही नहीं गया है। इसी के चलते लोग ऑनलाइन शॉपिंग पर पूरी तरह से निर्भर हो गए हैं क्योंकि उनके पास सब्जी खरीदने का समय भी नहीं है। लोगों को ऑनलाइन शॉपिंग को आसान बनाने के लिए ई-कॉमर्स कंपनियाँ भी पीछे नहीं है। लोन से लेकर फ्री डिलीवरी तक कई ऑप्शंस उपलब्ध कराए गए हैं।

1. ऑनलाइन शॉपिंग से कौन-कौन सी चीजें खरीद सकते हैं ?
2. ऑनलाइन शॉपिंग को आसान बनाने के लिए कौन-कौन सी कंपनियाँ योगदान दे रही हैं?
3. रोहन ने फ्लिपकार्ट से एक बेल्ट का ऑर्डर किया जिसका मूल्य 1499 रुपए है, साथ ही उस पर 74% का डिस्काउंट भी दिया गया बेल्ट का वास्तविक मूल्य क्या होगा?
4. गौरव ने तीन जोड़े जूतों के कोंबो पैक का आर्डर किया जिनका मूल्य 1497 रुपए दिया गया लेकिन 60% डिस्काउंट के बाद रूपए 597 मूल्य हो गया साथ ही रूपए 40 डिलीवरी चार्जेस के देने होंगे गौरव को कुल कितने रुपए देने होंगे?
5. फ्लिपकार्ट ई कॉमर्स साइट पर नीना ने एक फास्ट्रेक की घड़ी खरीदी जिसका मूल्य रूपए 2158 था लेकिन उसमें एक के साथ एक घड़ी मुफ्त दी जा रही थी परंतु वही घड़ी बाजार से रूपए 2790 मूल्य की थी। इस प्रकार नीना को कितने रुपए का फायदा हुआ?
6. ऑनलाइन शॉपिंग के जहाँ समय की बचत जैसे फायदे हैं, उसी तरह क्या इसके कोई नुकसान भी हैं? बताइए।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	व्याख्यात्मक	सरल
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
3	विश्लेषण	तार्किक	औसत
4	विश्लेषण	तार्किक	औसत
5	व्यापक समझ	वर्णनात्मक	औसत

प्रतिमान 31

बच्चों में नए उपकरण प्राप्ति की बड़ी ही लालसा होती है। उनको अगर एक नया खिलौना ख़रीद भी दिया तो कुछ ही दिनों में दूसरे खिलौने के लिए ज़िदद करते हैं। अक्सर यह देखा गया है कि बच्चों के हाथ में जब कोई उपकरण आता है तब वे अधिकांश समय उन खिलौनों के साथ ही व्यतीत करते हैं। अमेरिका में हुए शोध में यह देखा गया कि जो बच्चे स्मार्टफ़ोन व कंप्यूटर पर अधिकांश अपना समय व्यतीत करते हैं उनमें कई प्राणघातक लक्षण पाए गए हैं। शोध में यह देखा गया कि इन बच्चों का खाना और नींद भी कम हो गई। उन बच्चों के परीक्षा परिणाम में गिरावट देखी गई है। मित्र और रिश्तेदारों से भी वे कम ही मिलते हैं। ऐसे बालक ज़्यादातर अकेले में रहना पसंद करते हैं। ये उपकरण केवल मनोरंजन का माध्यम होना चाहिए परंतु इनकी बुरी आदत लगने के कारण यही उपकरण जानलेवा भी हो सकते हैं। बच्चों को उचित नियम पालन करना सीखना चाहिए। बच्चे बड़ों को देखकर यह सब सीखते हैं इसलिए हमें यह ध्यान में रखना होगा कि हम उपकरणों का कम से कम प्रयोग करें। ज़्यादा देर टी.वी ,मोबाइल पर गेम खेलने वालों को चश्मा भी लग जाता है और आँखों की समस्या भी बचपन से ही शुरू हो जाती है।

हमें बच्चों को किसी खेल कूद या किसी अन्य कार्य में लगाना चाहिए। बच्चों का मन बहुत ही कोमल होता है। ये बिल्कुल कच्ची मिट्टी के समान होते हैं इसलिए इनको सही तरीक़े से ढालना हमारी ज़िम्मेदारी है। हमारा भविष्य हमारे बच्चें ही है इसलिए इन आधुनिक उपकरणों से हमें इन्हें दूर रखना चाहिए। इन्हें समझाना और इनका मार्गदर्शन करना हमारा कर्तव्य है।

1. आधुनिक उपकरणों में कौन-कौन से उपकरण आते हैं?
2. हमें बच्चों को अधिकतर किस प्रकार की गतिविधियों में लगाना होगा?

3. विद्यालय में हमें कौन-कौन सी मनोरंजक प्रतियोगिताएँ करवानी चाहिए ताकि इन आधुनिक उपकरणों से बच्चों को दूर रखा जा सके?
4. स्मरण शक्ति प्रतियोगिता में यदि हम तीन-तीन सेकंड के अंतराल पर बच्चों को स्लाइड दिखाते हैं तो एक मिनट में हम कितनी स्लाइड दिखा पाएंगे?
5. राजीव 100 मीटर के मैदान का चक्कर 45 सेकेंड में पूरा करता है यदि उसे मैदान के चार चक्कर लगाने पड़े तो वह यह चक्कर कितने मिनट में पूरा करेगा?
6. विविध रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने पर बच्चों को पुरस्कृत किया गया।
    - यदि पहला पुरस्कार 250 रुपये (दो बच्चों के लिए)
    - दूसरा पुरस्कार 200 रुपये (तीन बच्चों के लिए)
    - तीसरा पुरस्कार -150 रूपए (चार बच्चों के लिए)

    बताइए पुरस्कारों पर कुल अनुमानित व्यय कितना होगा?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	व्याख्यात्मक	औसत
2	सूचना की पुनः प्राप्ति	व्याख्यात्मक	औसत
3	व्यापक समझ	तार्किक	औसत
4	विश्लेषण	तथ्यात्मक	सरल
5	विवेचन	तथ्यात्मक	औसत

उत्तरमाला

प्रतिमान 1

1.	Full Credit	पृथ्वी के गरमाने का मुख्य कारण वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड जलवाष्प नाइट्रस ऑक्साइड की मात्रा का बढ़ जाना है।
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई दो
	No Credit	अस्पष्ट/असंगत उत्तर
2.	Full Credit	ग) मुंबई ।
	No Credit	अस्पष्ट/असंगत उत्तर
3.	Full Credit	अधिक से अधिक पेड़ लगाकर व प्रदूषण कम कर के ग्लोबल वार्मिंग को कम करने में सहायक सिद्ध हो सकते हैं
	Partial Credit	कोई एक
	No Credit	अस्पष्ट/असंगत उत्तर
4.	Full Credit	वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड जलवाष्प नाइट्रस ऑक्साइड की मात्रा इतनी बढ़ चुकी है कि यह धरती पर आने वाली गर्मी को बाहर नहीं जाने देती, जिसे ग्रीन हाउस प्रभाव कहते हैं।
	No Credit	अस्पष्ट/असंगत उत्तर
5.	Full Credit	घ) मौसम विभाग
	No Credit	अस्पष्ट/असंगत उत्तर

प्रतिमान 2

1.	Full Credit	रोमन भाषा
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	नोबेल पुरस्कार 1901 में शुरू किया गया।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

3.	Full Credit	सत्ताईस हजार दो सौ सत्तानबे।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	जिस दिन यह अभ्यास/आयोजित हो उस तिथि से गणना की जाए
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	डाइनामाइट
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 3

1.	Full Credit	बादाम
	No Credit	अन्य कोई संगत उत्तर
2.	Full Credit	सुहास ने दुकानदार को कुल रु 600 चुकाए।
	No Credit	अन्य कोई संगत उत्तर
3.	Full Credit	कार्बोहाइड्रेट, विटामिन, खनिज, वसा, आयरन।
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई दो
	No Credit	अन्य कोई संगत उत्तर
4.	Full Credit	घ) 6 किलो
	No Credit	अन्य कोई संगत उत्तर
5.	Full Credit	घ) उपरोक्त सभी
	No Credit	अन्य कोई संगत उत्तर

प्रतिमान 4

1.	Full Credit	शिमला में माल रोड,रिज, गिरीजाघर और जाखू मंदिर जैसे प्रमुख दर्शनीय स्थल है
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई दो
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2.	Full Credit	ख) 65.8 किलोमीटर
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/ अन्य उत्तर
3.	Full Credit	6 घंटे
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/ अन्य उत्तर
4.	Full Credit	ख) 65.8 किलोमीटर
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/ अन्य उत्तर
5.	Full Credit	हाँ,क्योंकि पर्यटकों द्वारा उपयोग की गई प्लास्टिक जैसी वस्तुएं, वाहनों का धूआँ प्रदूषण को बढ़ावा देता है
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/ अन्य उत्तर

प्रतिमान 5

1.	Full Credit	21 मिनट
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	सेक्टर-एक, सुखना लेक(झील)
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	चौड़ी सड़कें, हर सेक्टर का अपना बाज़ार व खेल का मैदान, हर सेक्टर में स्कूल,पार्क, स्वास्थ्य केंद्र इत्यादि
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई दो
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	ली-कोर्बुजिए , फ़्रांस
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	हाँ, सरकारी संग्रहालय आर्ट गैलरी, अंतरराष्ट्रीय डॉल म्यूज़ियम

	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 6

1.	Full Credit	चक्की पर आटा पीसना
	No Credit	असंगत/ अस्पष्ट व अन्य उत्तर
2.	Full Credit	ग) शुक्रवार
	No Credit	असंगत/ अस्पष्ट व अन्य उत्तर
3.	Full Credit	सरदार वल्लभभाई पटेल
	No Credit	असंगत/ अस्पष्ट व अन्य उत्तर
4.	Full Credit	स्टैचू ऑफ यूनिटी
	No Credit	असंगत/ अस्पष्ट व अन्य उत्तर
5.	Full Credit	ख) 40.25 किलोमीटर
	No Credit	असंगत/ अस्पष्ट व अन्य उत्तर

प्रतिमान 7

1.	Full credit	भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बच्चों के अधिकारों के लिए किए गए कार्य के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया।
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full credit	मदर टेरेसा
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

3.	Full credit	द प्राइस ऑफ फ्री,निर्माता डेविस गुगेनहेम
	Partial credit	कोई भी एक कथन
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full credit	बाल दासता को समाप्त करने और दुनियाभर के लाखों बच्चों को उनका अधिकार दिलाने के लिए।
	Partial credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full credit	रमेश 7 वर्ष,मोहित 9 वर्ष,जहीर 6 वर्ष ,सुनील 8 वर्ष
	Partial credit	उपरोक्त में से कोई भी एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 8

1.	Full credit	ब्रितानी सेना से लड़ते हुए, 28 साल 7 महीने (लगभग 29 साल)
	partial credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full credit	पुरुषों के मुकाबले बहुत कम है लेकिन सेना के कई महत्वपूर्ण पदों पर आसीन हैं I
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full credit	:मित्र राष्ट्र: रूस श्रीलंका बांग्लादेश म्यांमार शत्रु राष्ट्र:पाकिस्तान चीन
	Partial credit	यदि उत्तर हाँ में है।
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full credit	क)750 रूपया पैदल सैनिकों का मासिक वेतन। ख)70 घोड़ो और 25 हाथियों का कुल मासिक खर्च 622.50 रुपए होगा।

	Partial credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full credit	अंग्रेज़ी सरकार
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 9

1.	Full credit	फॉरेस्ट डिपार्टमेंट/वन विभाग।
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full credit	31 जुलाई को।
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full credit	1400 निःशुल्क पौधे वितरित किए गए होंगे
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full credit	1 2 बजकर 55 मिनट के बाद पहुँचेगी
	No credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full credit	उनकी देखभाल (निराई, गुड़ाई,खरपतवार निकालना) करते हैं। पशुओं से बचाने के लिए चारों तरफ से तारबंदी करते हैं। कीटनाशकों का छिड़काव करते हैं।
	partial credit	उपरोक्त में से कोई दो या कोई दो अन्य सटीक उत्तर
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 10

1 Full Credit : एनार्थोसाइट नामक चट्टानों को पीसकर सफल परीक्षण

Partial Credit : मिलता-जुलता उत्तर

No Credit : अस्पष्ट/असंगत/अन्य उत्तर

2 Full Credit : 4) 150 डॉलर प्रति किलो

No Credit : अन्य विकल्प

3 Full Credit : 1) 17 मिनट में

No Credit : अन्य विकल्प

4 Full Credit : 2) चाँद की सतह सपाट है या नहीं का पता लगाना

No Credit : अन्य विकल्प

5 Full Credit : 8 मिनट

No Credit : अन्य उत्तर

प्रतिमान 11

1 Full Credit : 1,00,000 तक का फ़ायदा/विभिन्न ऑफ़र

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अस्पष्ट/असंगत/अन्य उत्तर

2 Full Credit : घ) 10,00,000 का स्वास्थ्य बीमा

No Credit : अन्य विकल्प

3 Full Credit : मारुति सुज़ुकी, टोयोटा, होंडा, स्कॉडा इत्यादि

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी दो

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

4 Full Credit : क) 0.99 %

No Credit : अन्य विकल्प

5 Full Credit : पुराने वस्तु के बदले नई ख़रीद पर कुछ प्रतिशत छूट, उदाहरण सहित

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : असंगत /अस्पष्ट/अन्य उत्तर

6 Full Credit : ग) प्लॉट नंबर 52 फ़ेस 1 चंडीगढ़

No Credit : अन्य विकल्प

प्रतिमान 12

1 Full Credit : न्यूटन, भास्कराचार्य जी ने

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर/ असंगत/अस्पष्ट

2 Full Credit : 32, महर्षि भारद्वाज

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर/अस्पष्ट/असंगत

3 Full Credit : वैदय पितामाह, आयुर्वेद विशारद

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर /अस्पष्ट/असंगत

4 Full Credit : कोई परिवर्तन नहीं होता, पिंड का भार शून्य रहेगा

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5 Full Credit : 23 घंटे, 56 मिनट, 4.09 सेकेंड

Partial Credit : लगभग 24 घंटे

No Credit : अन्य उत्तर

6 Full Credit : हाँ, तर्क सहित

Partial Credit : हाँ, तर्क रहित

No Credit : अन्य उत्तर

प्रतिमान 13

1 Full Credit : समय के महत्व को जानने वाला सफल होता है

Partial Credit : मिलता-जुलता उत्तर

No Credit : अन्य उत्तर

2 Full Credit : जो व्यक्ति एक पल भी गफलत में गंवा देता है, वह सारी उम्र पछताता है

Partial Credit : अधूरी पंक्ति पर

No Credit : अन्य उत्तर

3 Full Credit : खेती के सूख जाने पर वर्षा का क्या लाभ

Partial Credit : मिलता-जुलता अर्थ

No Credit : अन्य उत्तर

4 Full Credit : समयसारिणी, दिनचर्या का उल्लेख

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर

5 Full Credit : 22 घंटे 50 मिनट

Partial Credit : 1350 मिनट , 22.50 घंटे

No Credit : अन्य उत्तर

6 Full Credit : अर्थ- पछताना और वाक्य

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर

प्रतिमान 14

1 Full Credit : 12 जून

No Credit : अन्य उत्तर

2 Full Credit : दयनीय, दुखों से भरा

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर

3 Full Credit : विद्यार्थियों द्वारा दिए गए दो या अधिक सुझाव

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर

4 Full Credit : ख) पंडित जवाहर लाल नेहरू

No Credit : अन्य विकल्प

5 Full Credit : ₹245

No Credit : अन्य उत्तर

प्रतिमान 15

1 Full Credit : 12960

No Credit : अन्य उत्तर

2 Full Credit : 900 वोल्ट

No Credit : अन्य उत्तर

3 Full Credit : पुस्तकों का घर

Partial Credit : मिलता-जुलता अर्थ

No Credit : अन्य उत्तर

4 Full Credit : 20 अलमारियाँ

No Credit : अन्य उत्तर

5 Full Credit : ग) सोना

No Credit : अन्य विकल्प

प्रतिमान 16

1 Full Credit : ब्रह्म दत्त, गर्मी का महीना

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर/अस्पष्ट/असंगत

2 Full Credit : घ) उपरोक्त सभी

No Credit : अन्य विकल्प

3 Full Credit : केकड़ा, जब केकड़े ने नाग की गर्दन पर वार किया

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर/अस्पष्ट/असंगत

4 Full Credit : 4.5 किलोमीटर

No Credit : अन्य उत्तर

5 Full Credit : 3 घंटे

No Credit : अन्य उत्तर

प्रतिमान 17

1 Full Credit : बंदरों के एक झुंड ने स्वामी जी का पीछा किया,

एक वृद्ध संन्यासी ने

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर/अस्पष्ट/असंगत

2 Full Credit : क) कायरों को

No Credit : अन्य विकल्प

3 Full Credit : अमेरिका, कठिनाइयों में भी डटे रहना,

विजयी हमेशा साहसी पुरुष होते हैं

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर/अस्पष्ट/असंगत

4 Full Credit : 56 केले

No Credit : अन्य उत्तर

5 Full Credit : 2 घंटे 8 मिनट

No Credit : अन्य उत्तर

प्रतिमान 18

1 Full Credit : घ) 4320 इंच लंबा, 360 इंच चौड़ा

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2 Full Credit : पत्नी की असमय मृत्यु की घटना ने

Partial Credit : मिलता-जुलता अर्थ

3 Full Credit : दृढ़निश्चय मनुष्य असंभव कार्य भी कर सकता है।

Partial Credit : मिलता-जुलता अर्थ

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/ अन्य उत्तर

4 Full Credit : मृत्यु - 73 उम्र, पहाड़ तोड़ना - 32 उम्र

Partial Credit : कोई एक

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5 Full Credit : नहीं, तर्कसंगत उत्तर

Partial Credit : नहीं तर्क रहित उत्तर

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 19

1 Full Credit : विद्यार्थियों के उत्तर मान्य होंगे।

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2 Full Credit : 1 साल= 12 महीने 24×1.50 कि.ग्रा. = 36 कि.ग्रा.

96+36=132कि.ग्रा.

Partial Credit :132

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/ अन्य उत्तर

3 Full Credit : जल्दी बनना, स्वादिष्ट, उपलब्धता इत्यादि

Partial Credit: कोई एक

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/ अन्य उत्तर

4 Full Credit : विद्यार्थियों के तर्कसंगत उत्तर स्वीकार्य होंगे

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5 Full Credit : 21+2+6=29 लोग, 29×25=725 रु

Partial Credit : कोई एक

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 20

1	Full Credit	पैदल चलना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2	Full Credit	दोनों तरफ देखकर
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3	Full Credit	उत्तर दिशा
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4	Full Credit	ख) 58

	No Credit	अन्य विकल्प
5	Full Credit	इससे पैसों की बचत होती है, प्रदूषण नहीं होता तथा किसी प्रकार का शोर भी नहीं होता।
	Partial credit	उपरोक्त में से कोई भी एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 21

1. Full Credit : उन महिलाओं के लिए आदर्श स्थापित करती है जो मां बनने के बाद अपने आप को गृहस्थी तक सीमित कर लेती हैं

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2. Full Credit : सात भगिनी राज्य

   No Credit : अन्य उत्तर

3. Full Credit : अर्जुन अवार्ड, पदम् श्री राजीव गाँधी खेल रत्न अवार्ड, पदम् भूषण ,लन्दन ओलिंपिक में अपने भार जितना कांस्य पदक

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

4. Full Credit : 28 राज्य व 8 केंद्र शासित प्रदेश

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5. Full Credit : 33 वर्ष

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 22

1. Full Credit : बद्रीनाथ, द्वारका, पुरी और रामेश्वरम की यात्रा |

ताकि मोक्ष पा सके

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2. Full Credit : कोई एक : स्टील,निकल,कॉपर

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

1. Full Credit : 132,500 रूपए

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

4. Full Credit : 5348 रूपए

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5. Full Credit : भ्रष्टाचार उन्नति में बाधक है क्योंकि भ्रष्टाचारी स्वयं के बारे में सोचता है, देश के बारे में नहीं सोचता

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 23

1. Full Credit : राजा कृषणदेव राय

No Credit : असंगत/अस्पष्ट

2. Full Credit : भिखारियों की बढ़ती जनसंख्या का कारण जान सके

No Credit : असंगत/अस्पष्ट

3. Full Credit : 30600 रूपए

No Credit : अन्य उत्तर

4. Full Credit : नही, बाल विकास योजनाएं

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5. Full Credit : हां, संगत व तार्किक उत्तर

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 24

1. Full Credit : सबका विकास

No Credit : अन्य विकल्प

2. Full Credit : (कोई दो) संस्कृति, संस्कार, लोक संस्कृति, प्यार व स्नेह, भाईचारा

No Credit : असंगत/ अस्पष्ट

3. Full Credit : 65

No Credit : अन्य उत्तर

4. Full Credit : 4400 रूपए

No Credit : अन्य संख्या

5. Full Credit : (कोई एक) गांववासी : सरल स्वभाव के/

शहरवासी : बनावटी स्वभाव के

गांव : आपसी भाईचारा /शहर: स्व केंद्रित

गांव : दुख सुख में साथ/

शहर : दुख-सुख में शामिल न होना (कोई अन्य उचित तर्क)

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 25

1. Full Credit : 1) 9/8/2019

   2) 1/9/19

   Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2. Full Credit : 14000 रूपए

   No Credit : अन्य उत्तर

1. Full Credit : 18000 रूपए

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

4. Full Credit : दोगुना

   NO CREDIT : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5. Full Credit : सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 26

Full Credit	**ऊपर से नीचे** 1.वर्ग संख्या, 2.चतुर्भुज, 3.वृत्त, 4.परिमाप, 5.लंब, 6.घूर्णन, 7.क्षेत्रफल, 8. अंकगणित, 9. त्रिज्या **बाएं से दाएं** 1. घन, 2.आयत, 3.परिधि, 4.वर्ग, 5.व्यास, 6.ज्यामित्ति, 7.समबाहु, 8.त्रिभुज
No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 27

1.	Full Credit	क्योंकि वृक्ष पानी की तीव्र धारा को धीमा कर देते हैं और भूजल स्तर भी बढ़ा देते हैं जिससे बा ढ़ आने का खतरा कम हो जाता है।
	Partial credit	उपरोक्त में से कोई भी एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	अस्थमा अर्थात् जब किसी को साँस लेने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसे ठीक कर ने के लिए स्वच्छ वायु, स्वच्छ पर्यावरण की आवश्यकता होती है। यदि समस्या बढ़ जाए तो डॉक्टर की सलाह अनि वार्य है।
	Partial credit	उपरोक्त में से कोई भी एक

	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	पेड़
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	विश्व में 50000 प्रजातियाँ तथा भारत में 3000 प्रजातियाँ
	Partial credit	उपरोक्त में से कोई भी एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	9000 किलोग्राम
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 28

1.	Full Credit	तिलिचो झील, ऊँचाई-4919 मीटर या 16,138 फीट
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक उत्तर
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	नील नदी, 4132 मील
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	पर्वत पर चढ़ाई करने वालों को पर्वतारोही कहते हैं।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	5000 मीटर से ज्यादा
	Partial Credit	उपरोक्त से मिलती जुलती संख्या
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	वर्षा, बर्फ, ग्लेशियर, नदी,भूजल के रिसाव से
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी दो
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 29

1.	Full Credit	पैदल चलना
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	लगभग 11 मिनट से अधिक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	हफ्ते में तीन बार 40 मिनट की चहलकदमी करना
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	महीने के चार रविवार छोड़कर, 26 दिन में 91000 कदम
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	कहते हैं पहला सुख निरोगी काया इसलिए दी गयी जानकारी के अनुसार प्रतिदिन सैर करने से हम अनेक बिमारियों से ब च सकते हैं तथा सुबह की सैर तो मनुष्य को तरोताजा कर देती है इसलिए यह कथ्य सही है।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 30

1. Full Credit : राशन, फुटवेयर, स्मार्ट फोन, गैजेट

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2. Full Credit : ई कामर्स

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

3. Full Credit : 390 रूपए

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

4. Full Credit : 637 रूपए

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5. Full Credit : 1. वस्तु की क्वालिटी अच्छी ना होना

   2. समय से वस्तु की प्राप्ति ना होना

   3. अन्य संगत तर्क.

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 31

1. Full Credit : कोइ दो संगत प्रकार

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2. Full Credit : खेल कूद/अन्य संगत

   No Credit : असंगत /अस्पष्ट

3. Full Credit : कला/खेल -कूद/ हस्त कला

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

4. Full Credit : 20

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5. Full Credit : 3 मिनट

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

आभार:

समन्वयक:

- प्राचार्य श्रीमती डॉ०प्रीति गर्ग, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,सैक्टर 47,चंडीगढ़

संसाधन समूह:

- बृजरानी, राजकीय उच्च विद्यालय, कजहेड़ी, चंडीगढ़
- रेनू कटोच, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,सैक्टर 37, चंडीगढ़
- नीलम चोपड़ा, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,सैक्टर 27, चंडीगढ़
- नीना राणा, राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय,सैक्टर 42, चंडीगढ़
- कपिल शर्मा, राजकीय उच्च विद्यालय, सैक्टर 53, चंडीगढ़
- डॉ० दिनेश चन्द्र, राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय ,सैक्टर 12, चंडीगढ़
- जसविंदर कौर, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,सैक्टर 22, चंडीगढ़
- रीता वसिष्ठ, राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय ,पॉकेट नंबर 1, मनीमाजरा, चंडीगढ़
- किरण बाला, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,सैक्टर 26, टिंबर मार्केट, चंडीगढ़
- गौरव कुमार, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,सैक्टर 10, चंडीगढ़
- सोनिया, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,सैक्टर 10, चंडीगढ़
- रजनी खरबन्दा, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,सैक्टर 35, चंडीगढ़
- तेजिंदर कौर, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,सैक्टर 8, चंडीगढ़

CRITICAL AND CREATIVE THINKING (CCT)
Resource Material Developed

Mathematical Literacy

- 4 modules (classes 7 to 10) in English and Hindi medium
- 'Step by Step' Mathematics Booklet Series
- 'Mathlete' fortnightly series
- CCT Booklets for classes 8th ,9th and 10th (100 pages)

Scientific Literacy

- 5 Modules (classes 6 to 10) in English and Hindi medium
- 'Harshit /Joyful Learning' weekly series
- CCT Booklet for classes 8th -10th (100 pages)

Reading Literacy English

- 5 Handbooks/modules of Reading Literacy (classes 6 to 10)
- 3 Handbooks/modules of Reading Literacy for supplementary reader (classes 8 to 10)
- CCT Booklets for classes 8th, 9th and 10th (100 pages)

Reading Literacy Hindi

- 5 modules (Classes 6 to 10)
- 'Sankalp' Fortnightly Series
- Monthly CCT booklets for classes 6th- 8th and 9th-10th (January 2021 onwards)
- CCT Practice Booklets for classes 8th ,9th and 10th (100 pages)

CBSE Handbooks

- Vol.I Mathematical Literacy
- Vol.I Scientific Literacy
- Vol.I Reading Literacy
- Experiential Learning
- Joyful Teaching and Learning of Mathematics
- Art Integration
- Self-learning Resources
- Artificial Intelligence Integration Manual
- The Question Book
- Cogito
- 21st Century Skill Handbook
- Cyber Safety Manual
- Mathematical Literacy: Practice Book for Students
- PISA Primer
- Handbook of Joyful Learning

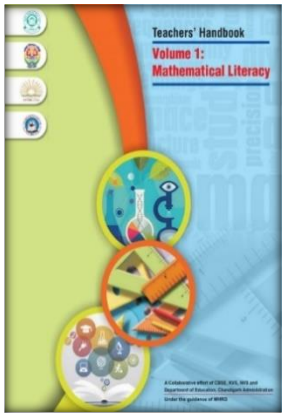

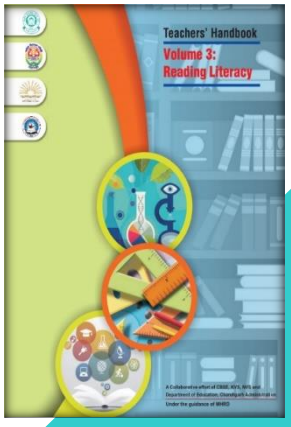

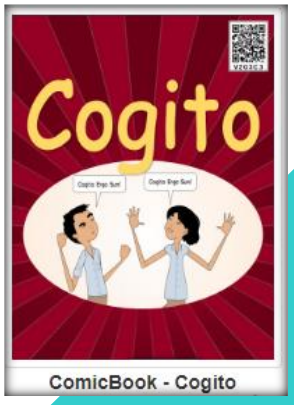

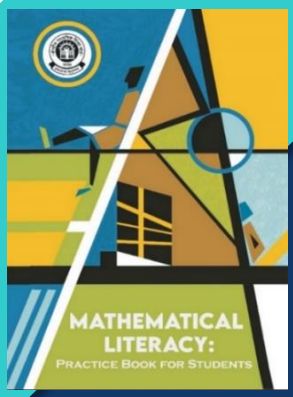

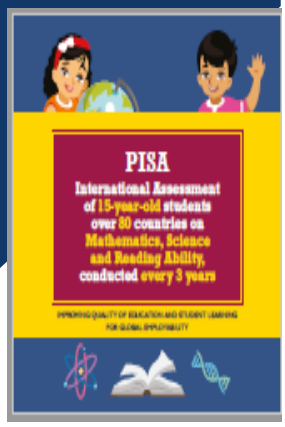

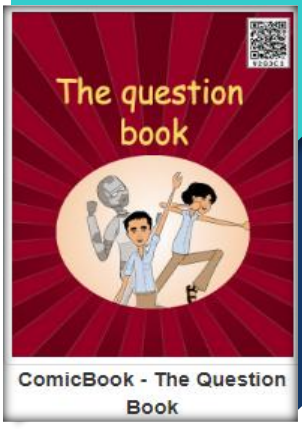

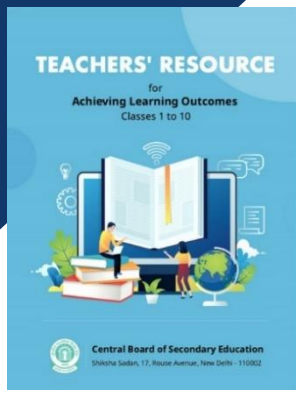

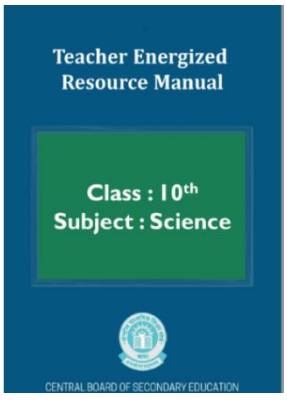

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING (SCERT)

Sector- 32, UT Chandigarh, Email id : scert-chd@nic.in, Phone No: 0172-2676011